दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-171, भोपाल, शुक्रवार 06 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"प्रेम के प्रादुर्भाव के लिए आशा की एक छोटी से किरण ही पर्याप्त होती है।"
- मैरी हेनरी बेयले

कश्मीरी पंडितों के लिए सीट रिजर्व, जम्मू में 6 और कश्मीर में एक सीट बढ़ाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चुनाव से पहले विधानसभा सीटों का परिसीमन का काम भी पूरा हो चुका है। परिसीमन आयोग ने गुरुवार को एक मीटिंग की और फाइनल रिपोर्ट पर साइन कर दिया। इसमें निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या और उनके आकार का ब्योरा है। केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद चुनाव आयोग वोटर लिस्ट तैयार करने की कार्रवाई शुरू कर देगा। जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग के अनुसार लोकसभा की पांच सीटों में दो-दो सीटें जम्मू और कश्मीर संभाग में होंगी जबकि एक सीट दोनों के साझा क्षेत्र में होंगी। यानी आधा इलाका जम्मू संभाग का और आधा कश्मीर घाटी का हिस्सा होगा। इसके अलावा दो सीटें कश्मीरी पंडितों के लिए भी रिजर्व रखी गई हैं। आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश में सीटों की संख्या 83 से बढ़ाकर 90 करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही पहली बार अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटों को रिजर्व करने कहा है। इनमें से 43 सीटें जम्मू और 47 सीटें कश्मीर में रहेंगी। इसके पहले 83 सीटों में 37 जम्मू और 46 कश्मीर में थीं।

दिल्ली में अब नहीं मिलेगी फ्री बिजली, केजरीवाल ने कहा- अब केवल मांगने वालों को मिलेगी

नई दिल्ली। दिल्ली में 1अक्टूबर से बिजली सब्सिडी केवल उन्हीं लोगों को मिलेगी जो इसकी मांग करेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोगों को विकल्प देंगे कि बिजली सब्सिडी की आपको जरूरत है या नहीं। जो लोग नहीं चाहेंगे उन्हें बिजली की सब्सिडी नहीं मिलेगी। यानी सभी को फ्री बिजली नहीं मिलेगी। केजरीवाल ने बताया कि उन्हें कई लोग मिलते हैं जो कहते हैं कि हमें बिजली सब्सिडी नहीं चाहिए। आप इस पैसे का उपयोग स्कूल खोलने, अस्पताल बनाने आदि में करें। इसी के बाद दिल्ली सरकार ने ये फैसला लिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरिदासपुर, बीरभूम में मैत्री संग्रहालय का उद्घाटन किया

अमित शाह ने बीएसएफ जवानों के कार्य को सराहा, कहा- 24 घंटे काम कर देश को बना रहे सुरक्षित

विधानसभा चुनाव नतीजों के ठीक एक साल बाद गृह मंत्री अमित शाह पहली बार बंगाल का दौरा कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरिदासपुर, बीरभूम में मैत्री संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी और केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक भी मौजूद रहे। बंगाल दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बीएसएफ की खूब तारीफ की है। शाह ने कहा कि बंगाल की सीमा हो, पंजाब की सीमा हो या गुजरात की सीमा हो जो बाड़ लगाई गई है वो बाड़ सीमा की सुरक्षा नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा केवल बीएसएफ जवान ही कर सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैंने देखा सुंदरवन जहां 3 नदियों का डेल्टा एरिया है, वहां मगरमच्छों के बीच घुसपैठ और तस्करी रोकने के लिए 24 घंटे बीएसएफ की निगरानी रहती है। ये जज़्बा और जुनून पूरे देश को सुरक्षित रखता है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का यही प्रयास रहता है कि बॉर्डर पर तैनात जवान को कम से कम कठिनाई हो। इसलिए आप अपने परिवार के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बीता पाएं, ऐसी कार्य प्रणाली की रचना और जहां आपकी पोस्टिंग है, वहां की

सुविधाओं में बढ़ोतरी करने के लक्ष्य को लेकर हम चले हैं।

70 के दशक में जब हमारे पड़ोसी देश में मानव अधिकारों का हनन हुआ, अत्याचार के समय वहां से एक बयार हमारे यहां शरणार्थियों की आई, उस समय बीएसएफ और भारतीय सेना दोनों ने मिलकर बड़ी वीरता से उन क्षेत्र में मानव अधिकरों की रक्षा भी की और बांग्लादेश को जन्म देने का काम भी किया। तस्करी और घुसपैठ से इस क्षेत्र को अभेद्य बनाना बीएसएफ का काम है। हालांकि ये स्थानीय प्रशासन की मदद के बिना कठिन है। लेकिन आप विश्वास रखिए कि वो मदद भी जल्द मिले, ऐसी राजनीतिक स्थिति का निर्माण भी यहां जल्द होने वाला है। जनता का ऐसा दबाव बनेगा की मदद करने को सब मजबूर होंगे। बीएसएफ में अब महिलाओं की भी तैनाती होने लगी है। महिलाएं गर्व से पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मां भारती की सेवा कर रही हैं।

बीएसएफ के जवानों को हर सुविधाएं कराई जाएगी उपलब्ध

अमित शाह ने कहा, ÷मैं इतना सुनिश्चित करना चाहता हूं और मैं जानता हूं कि पोस्टिंग की कठिनाई है. सीमा पर काम करना सरल नहीं है. नरेंद्र मोदी को हर पल बोर्डर पर काम करने वालों को कठिनाई कम हो, इसका ख्याल रहता है. अब सीमा पर महिलाएं पुरुष के साथ कंधे में कंधे मिलकर काम कर रहे हैं. आप परिवार के साथ अधिक समय बीता सके. इसे लेकर कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं. भारत सरकार ने पांच साल का कार्यक्रम बनाया है. हम इसे धीरे-धीरे लागू करेंगे. कुछ दिन के अंदर सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी. उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता साथ थे. पहले कहते थे बंगाल में बहुत घुसपैठ होता है. पेट्रोलिंग होते हैं. जिस प्रकार की व्यवस्था की गई है. घुसपैठ और तस्करी को रोकने लिए पर्याप्त है. यह क्षेत्र काफी कठिन है.यहां उस ओर से पत्थर फेंकने पर इस ओर आ जाता है.

अमित शाह ने बीएसएफ अधिकारियों के साथ किया लंच

पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के दुर्गम इलाके में सीमा सुरक्षा बल की निगरानी को बढ़ाने तथा इसे और अधिक मजबूती प्रदान करने की लिए फ्लोटिंग बीओपी की संख्या बढ़ाई गई है. इसके अतिरिक्त सुंदरबन के इस दुर्गम इलाके में चिकित्सा प्रदान करने के लिए बोट एम्बुलेंस का भी अमित शाह ने उद्घाटन किया. जो साहेब खली से शमशेर नगर तक के इलाके में सेवा प्रदान करेगा. मुक्ति संग्राम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बीएसएफ की वीरता को आम जनमानस से अवगत कराने के लिए मैत्री संग्रहालय की स्थापना की गयी है. इस अवसर पर अमित शाह ने बीएसएफ अधिकारियों के साथ लंच किया.

रायपुर के स्टील प्लांट में हवा भरते समय हादसा, बुलडोजर का टायर फटने से 2 लोगों की मौत

रायपुर। रायपुर के सिलतरा इलाके में गुरुवार को एक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। हादसा बुलडोजर का टायर फटने से हुआ। हादसे में मारे गए दोनों लोग मध्य प्रदेश के सतना जिले के रहने वाले थे। हादसे की जांच सिलतरा चौकी पुलिस कर रही है। हादसे की भयावहता प्लांट में लगे सीसीटीवी कैमरे से पता चली, जिसमें मजदूर के हाथ के चीथड़े उड़ते नजर आए। हादसा धनकुल स्टील नाम के एक प्लांट में हुआ है। लोडिंग वगैरह के काम के लिए यहां बुलडोजर मंगवाया गया था। जिसके टायर में हवा भरी जा रही थी। अचानक प्रेशर बढ़ने से धमाके के साथ टायर फट गया। हवा डालने का काम कर रहे राजपाल सिंह और प्रांजल नामदेव इसकी चपेट में आ गए। टायर से टकराने की वजह से दोनों का सिर फट गया। काफी खून बह जाने की वजह से दोनों की मौके पर ही

मौत हो गई। आसपास और भी कर्मचारी मौजूद थे, धमाके की वजह से भाग कर उन्होंने अपनी जान बचाई। राजपाल और प्रांजल को बचने का मौका नहीं मिला। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

5 फीट हवा में उछले

दोनों कर्मचारी बुलडोजर के टायर को खोल कर उसके ऊपर बैठकर हवा डाल रहे थे। एक कर्मचारी हवा भर रहा था तो दूसरा टायर के प्रेशर को देख रहा था। मगर दोनों को समझ नहीं आया कि कब प्रेशर गड़बड़ा गया और अचानक धमाके के साथ टायर फट पड़ा। इससे राजपाल और प्रांजल करीब 5 फीट ऊपर उछल गए। टायर के बीच मौजूद लोहे की रिंग दोनों के सिर पर लगी और वह नीचे गिर पड़े।

पुलिस कर रही घटना की जांच

सिलतरा चौकी की पुलिस ने जानकारी दी कि इस घटना में मारे गए दोनों कर्मचारी मध्यप्रदेश के सतना के रहने वाले हैं। अब इनके परिजनों को इस घटना की जानकारी दी जा रही है। फिलहाल दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सीसीटीवीफुटेज की भी जांच की जा रही है, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके।

दहशतगर्दों को बॉर्डर पार ड्रोन से पहुंचाए जा रहे थे हथियार, विस्फोटक और असलहा बरामद

करनाल में 4 खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

करनाल, एजेंसी। हरियाणा के करनाल जिले में गुरुवार सुबह पुलिस ने 4 खालिस्तानी आतंकियों को नेशनल हाईवे से गिरफ्तार किया। चारों गिरफ्तार आतंकी इनोवा गाड़ी में हाईवे से गुजर रहे थे। इंटेलिजेंस ब्यूरो (ढ्ढक्र) ने इस बारे में सूचना दी थी। चारों गिरफ्तार आतंकी गुरप्रीत, अमनदीप, परविंदर और भूपेंदर पंजाब के रहने वाले हैं। इनमें तीन फिरोजपुर और एक लुधियाना का है। बताया जा रहा है कि चारों आतंकी संगठन बब्बर खालसा से जुड़े हैं। वहीं, आतंकियों से पूछताछ के लिए पंजाब पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीम भी पहुंची है। पुलिस ने वीडियो टीम और स्नरु टीम को मौके पर बुलाया। आतंकियों से एक देसी पिस्तौल, 31 कारतूस, 1.30 लाख रुपए के करीब कैश, 3 लोहे के कंटेनर बरामद हुए हैं। टीम ने इनका एक्सरे करवाया है, इसमें एक्सप्लोसिव की पुष्टि हुई है।

पाकिस्तान से भी संबंध आया सामने

एसपी गंगाराम पुनिया ने बताया कि चारों आरोपियों पाकिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के इशारे पर काम कर रहे थे। रिंदा ने ही इन्हें असलहा सप्लाई किया था और उसे आदिलाबाद (तेलंगाना) में पहुंचाने का काम सौंपा था। इसके बदले चारों को मोटी रकम मिलनी थी। इससे पहले भी आरोपी नांदेड़ के पास ऐसी कन्साइनमेंट पहुंचा चुके हैं। रिंदा इन्हें ड्रोन से सप्लाई करता था और मोबाइल ऐप से लोकेशन सेंड करता था। उसके बाद यह विस्फोटक को बताई हुई लोकेशन तक पहुंचाते थे। आतंकी रिंदा ने एक मोबाइल ऐप के जरिये गिरफ्तार युवकों को लोकेशन दी थी। उसके अनुसार इन्हें फिरोजपुर बुलाया था। फिरोजपुर में भारत-पाक सीमा के पास गिरफ्तार आरोपी गुरप्रीत के दोस्त आकाशदीप के ननिहाल के खेत हैं। उन्हीं खेतों में ड्रोन से विस्फोटक की सप्लाई की गई थी। चारों को वहां से एक्सप्लोसिव उठाकर तेलंगाना पहुंचना था। उससे पहले पुलिस ने ढ्ढक्र की सूचना पर उन्हें करनाल में दबोच लिया।

जमानत पर रिहा होने के बाद सांसद नवनीत राणा अस्पताल में भर्ती

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में अमरावती के सांसद नवनीत राणा को वीरवार को भायखला जेल से रिहा होने के बाद लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भाजपा नेता किरीट सोमैया उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे हैं। राजद्रोह के कथित मामले में गिरफ्तारी के करीब दो हफ्ते बाद महाराष्ट्र के अमरावती से सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को विशेष अदालत से बुधवार को सशर्त जमानत मिल गई थी। हालांकि दोनों की जेल से तत्काल रिहाई नहीं हो पाई। इससे पहले नवनीत राणा को तबीयत खराब होने पर भायखला जेल से इलाज के

लिए जेजे अस्पताल ले जाया गया था। बाद में शाम को उन्हें वापस जेल में लाया गया था। सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक रवि राणा ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री के बाहर 23 अप्रैल को हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा की थी। राणा दंपती ने प्रधानमंत्री की प्रस्तावित मुंबई यात्रा के कारण अपना कार्यक्रम स्थगित कर दिया था, लेकिन पुलिस ने उसी दिन राणा दंपती को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उन पर राजद्रोह की धारा भी लगाई गई थी। विशेष जज आरएन रोकाडे ने दोनों को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है।

कांग्रेस पार्टी को मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया प्रायवेट लिमिटेड कंपनी बताया, चल रहा कांग्रेस प्रीमियर लीग

भोपाल। देश में कांग्रेस पार्टी अब प्रायवेट लिमिटेड कंपनी होती जा रही है। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पश्चिम बंगाल में अधीर रंजन-चिदंबरम विवाद को लेकर यह तंज कसा और कहा कि कांग्रेस में इन दिनों सीपीएल यानी कांग्रेस प्रीमियर लीग चल रहा है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ खुद किसी जांच करने नहीं जाते और वह जो जांच कराते हैं, उससे एक दिन का मीडिया कवरेज मिल जाता है। वे अपने परिवार को आगे बढ़ाने नकुलनाथ को सक्रिय कर रहे हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस में इस समय सीपीएल चल रहा है। वहां प्रायवेट लिमिटेड

कंपनी के रूप में लोग काम करने लगे हैं। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल-टीएस सिंहदेव के बीच कोल्ड वॉर चलता रहता है। मिश्रा ने कहा कि यही स्थिति राजस्थान में भी अशोक गहलोत-सचिन पायलट, महाराष्ट्र में नाना पोटले-नितिन राउत, हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा-कुमार शैलजा, कर्नाटक सीता रमैया-डीके शिवकुमार, केरल में सुधाकरण-वीडी सतीशन के बीच भी है। मगर इस सबसे कांग्रेस के राहुल गांधी को कोई लेना देना नहीं है। गृह मंत्री ने कांग्रेस नेताओं की उम्र को लेकर कहा कि वहां सभी की उम्र 70-75-77 हो गई है। इस फेर में पार्टी के आ जाने से वह लोगों का सहारा ले रही है। मिश्रा ने कहा कि बिजली कटौती पर दिग्विजय सिंह और कर्ज माफी पर कमलनाथ को बोलने का अधिकार ही नहीं है। दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में कभी-कभी बिजली आती थी और हमारे समय कभी कभी जाती है तो कमलनाथ ने कर्ज माफी का वादा किया और किसी का कर्ज माफ नहीं किया।

मेरी व सीएम शिवराज की जुगलबंदी शुरू से ही बढ़िया

मुख्यमंत्री के साथ अपनी जुगलबंदी पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री और हमारी जुगलबंदी खराब कब थी, आप बताएं. आप ही लोग ढूंढते रहते हो, मैं कभी इस बात को समझ नहीं पाता. हम दोनों की जुगलबन्दी शुरू से बहुत अच्छी है और वह हमारे मुख्यमंत्री है. बिजली कटौती पर दिग्विजय सिंह के बयान पर गृह मंत्री ने कहा कि छांछ तो छांछ छलनी भी बोले, जिसमें खुद 76 छेद हैं. बिजली की बात दिग्विजय सिंह बोल रहे हैं जिनके समय कभी कभी बिजली आती थी. हमारे समय तो कभी-कभी जाती है. कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के खरगोन जाने पर कांग्रेस की रिपोर्ट तो पहले से मालूम है, क्या वह सरकार के पक्ष में रिपोर्ट देंगे. उन्हें तो एक दिन के लिए मीडिया में आना है और सरकार के खिलाफ रिपोर्ट दिखानी है.

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर के काउंसल जरनल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

भोपाल। सिंगापुर के काउंसल जरनल शियोंग मिंग फुंग ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा के भोपाल, चार ईमली स्थित निवास पर पहुंचकर मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष की कई मुद्दों पर उनसे बात हुई साथ ही मध्यप्रदेश के विजिट एवं वर्ल्ड हेरिटेज और आइकोनिक सिटी खजुराहो में पधारने के लिए आमंत्रित भी किया। श्री शर्मा ने बताया कि बुंदेलखण्ड एवं खजुराहो से संबंधित अनेक विषयों पर चर्चा हुई है। खुशी की बात यह है कि उनके साथ को-काउंसल जरनल थे, वह पॉलिटिकल विंग देखते हैं, उनसे भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली एवं भूमिका पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने रायसेन जिले में हुई दुर्घटना पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन जिले के उमरावगंज थाना क्षेत्र के टेडिया पुल के पास सड़क दुर्घटना में 14 वर्ष की बिटिया सहित पाँच लोगों के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से दुर्घटना में दिवंगतों की आत्मा की शांति और परिजन को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

टैगोर का 'प्रणति पर्व' - कविता, नाटक और कला संवाद के बीच मनेगा

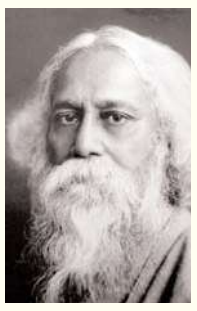

भोपाल। साहित्य और कलाओं में विश्व मानवता का संदेश देने वाले गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयन्ती पर टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र 7 मई को 'प्रणति पर्व' का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर प्रसिद्ध रुपंकर कलाकार देवीलाल पाटीदार से कला समीक्षक विनय उपाध्याय का 'टैगोर की कला का आदर्श' विषय पर संवाद होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ब्रह्मप्रकाश पेठिया, कुलसचिव डॉ.विजय सिंह तथा डीन प्रो. संगीता जौहरी भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कथा सभागार में मध्यान्ह 12 बजे रवीन्द्र संगीत की प्रस्तुति के साथ ही टैगोर की चुनिन्दा कविताओं का पाठ मुदित श्रीवास्तव, दृष्टि जैन, और श्रेया शर्मा करेंगे। कार्यक्रम का समापन टैगोर के बहु चर्चित नाटक 'विसर्जन' के चुनिन्दा दृश्यों की प्रस्तुति से होगा जिसे टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रशिक्षु विधार्थी मंचित करेंगे।

तीन सालों से अफसरों के बीच घूम रही फाइल

एनसीडीसी ने कोरोना संकट के पहले दी थी बीएसएल-3 लैब की मंजूरी, अफसर तय नहीं कर पाए जगह

भोपाल

कोरोना संकट के पहले जीका, निपाह, स्वाइन फ्लू जैसी बीमारियों की जांच करने के लिए नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल ने तीन साल पहले मप्र में बायोसेफ्टी लेवल -3 लैब बनाने की मंजूरी दी थी। पहले यह लैब भोपाल के ईदगाह हिल्स पर टीबी हॉस्पिटल की जमीन पर बनाने की बात हुई लेकिन अधिकारियों ने बाद में इनकार कर दिया। फिर इस लैब को भोपाल में अफसर जगह तय नहीं कर पाए तो सीहोर जिले में इंदौर-भोपाल हाईवे पर जमीन देने की सहमति बनी। इस लैब के लिए पांच एकड़ जमीन भी अलॉट हो गई। लेकिन बाद में फिर प्लान बदल गया। तीन सालों से इस लैब की फाइल अफसरों और दफ्तरों के बीच भटक रही है।

कोरोना के कारण अफसरों ने नहीं दिया ध्यान

जानकार बताते हैं कि कोरोना के पहले जीका, स्वाइन फ्लू, जापानी इंसेफिलाइटिस जैसी बीमारियों के मरीज मिलते थे। इनकी जांच कराने के लिए गिनी-चुनी लैब में ही व्यवस्था थी। केन्द्र सरकार ने भोपाल में इस लैब को बनाने के लिए दस करोड़ रूपए भी जारी किए थे। लेकिन कोरोना संकट के दौरान अफसरों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि लैब की जगह तय नहीं हो पाई।

एनसीडीसी के अफसर कर चुके हैं निरीक्षण

दो साल पहले एनसीडीसी के डायरेक्टर डॉ.सुजीत सिंह ने सीहोर जिले में इंदौर-भोपाल हाईवे पर चिन्हित की गई पांच एकड़ जमीन पर बायोसेफ्टी लेवल--3 लैब बनाने के लिए निरीक्षण किया था। एनसीडीसी ने हर राज्य में एक स्टेट लेवल सेंटर बनाने की तैयारी शुरू की थी। लेकिन अब यह प्लान सिर्फ कागजों तक ही सीमित है।

कमला नेहरू अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर किराए की बिल्डिंग में चलेगी लैब

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एनसीडीसी की तरफ से जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए मशीन मिली है। यहां एनसीडीसी ने किराए पर बिल्डिंग लेकर फिलहाल लैब शुरू की है। यहां जीनोम सिक्वेंसिंग शुरू की जाएगी।

अब एयरपोर्ट के पास बनाने का प्लान

एनसीडीसी के डायरेक्टर सुजीत सिंह ने बताया कि अब यह लैब भोपाल एयरपोर्ट के पास बनाने पर सहमति बनी है। अभी जीएमसी में शुरूआती लैब शुरू कर रहे हैं।

आलू बीज उत्पादन की एरोपॉनिक विधि का प्रदेश के साथ अनुबंध, ग्वालियर में बनेगी लैब

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य एवं म.प्र. के उद्यानिकी, खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह के विशेष आतिथ्य में विषाणु रोग रहित आलू बीज उत्पादन के लिए एरोपॉनिक विधि का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और मध्यप्रदेश सरकार के साथ बुधवार को दिल्ली में अनुबंध हुआ। अनुबंध के अनुसार ग्वालियर में प्रदेश की पहली एरोपॉनिक तकनीक आधारित लैब स्थापित होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने हवा में आलू के बीज उत्पादन की यह अनूठी तकनीक विकसित की है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने कहा कि किसानों को फसलों के प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसी कड़ी में आईसीएआर के संस्थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास किया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विषाणु रोग रहित बीज आलू उत्पादन की एरोपॉनिक विधि से बीज आलू की उपलब्धता देश के कई भागों में किसानों के लिए सुलभ की गई है। आज मध्यप्रदेश के उद्यानिकी विभाग को इस तकनीक का लाइसेंस देने के लिए अनुबंध किया गया है। उन्होंने कहा कि यह नई तकनीक आलू के बीज की आवश्यकता को पूरा करेगी। राज्य के साथ ही देश में भी आलू के उत्पादन में वृद्धि करेगी।

सिंगापुर के काउन्सल जनरल श्री शियोंग मिंग फुंज ने गोविन्दपुरा स्थित ग्लोबल स्किल पार्क सिटी कैम्पस का निरीक्षण किया।

मकान मालिक की नाबालिग बेटी से रेप

रात 3 बजे मम्मी-पापा की हत्या करने की धमकी देकर रेप किया, सेहरी से लौटी मां को धमकाया

भोपाल

भोपाल के निशातपुरा इलाके में 12वीं की छात्रा के साथ उसके किराएदार ने रेप किया। आरोपी रात 3 बजे लड़की के कमरे में घुस आया। इसके बाद उसके मम्मी-पापा को जान से मारने की धमकी देकर गलत काम किया। घटना के समय पीड़िता के मम्मी-पापा शहर में अपने रिश्तेदार के घर सेहरी में गए हुए थे। अभी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। निशातपुरा पुलिस के मुताबिक, नवाब कॉलोनी करोंद में रहने वाली 17 साल की किशोरी 12वीं में पढ़ती है। उसके मकान में सालभर पहले बिलाल नाम का युवक किराए का रूम लेकर रहता था। इसी बीच दोनों की दोस्ती हो गई। तभी दूसरे किराएदार ने लड़की की मां को बताया कि बेटी पर नजर रखना। बिलाल उस पर गंदी नजर रखता है। इस पर लड़की के परिजन ने बिलाल का कमरा खाली करा दिया। उसने मोहल्ले के दूसरे मकान में रूम ले लिया। 29 अप्रैल 2022 को रात तीन बजे बिलाल उसके घर पहुंच गया। लड़की को डरा-धमकाकर रेप किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह धमकी की वजह से मम्मी-पापा को आपबीती नहीं बता सकी। जब बिलाल ने मां को फोन कर धमकी दी कि बेटी से शादी नहीं की तो वह बदनाम कर देगा। इस पर मां ने बेटी से बिलाल के बारे में पूछा। तब लड़की ने उसकी करतूतों के बारे में बताया। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे।

मम्मी-पापा के मोबाइल पर लगाता था कॉल

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पास मोबाइल नहीं है। मम्मी-पापा के मोबाइल पर बिलाल चुपके से फोन करता था। वह बात करने के लिए दबाव बनाता था। बात नहीं करने पर बदनाम करने की धमकी देता था। इसलिए वह उससे डरी हुई थी। उसने शादी का भी झांसा दिया था। पुलिस का कहना कि आरोपी बिलाल ड्राइवरी करता है। घटना के बाद से आरोपी गायब है।

आष्टा के सैकड़ों कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

तीन बार कांग्रेस से विधानसभा चुनाव लड़े गोपाल सिंह इंजीनियर सहित पांच जिला पंचायत सदस्य शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा के समक्ष बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आष्टा विधानसभा से तीन बार चुनाव लड़े कांग्रेस प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री गोपाल सिंह इंजीनियर के साथ उनकी धर्मपत्नि व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कृष्णाबाई मालवीय एवं अन्य पांच जिला पंचायत संदस्य, एक जनपद सदस्य एवं बीस से अधिक सरपंच और कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष ने श्री गोपाल सिंह एवं सभी कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया।

केवल भारतीय जनता पार्टी में रहकर ही आप सबकी सेवा कर सकते हैं - मुख्यमंत्री- कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास का दूसरा नाम है। चाहे गरीबों के लिए मकान बनाने की बात हो, उन्हें नल कनेक्शन देने की बात हो, संबल योजना या फिर किसानों का कर्ज माफ करने जैसे सभी काम भारतीय जनता पार्टी ने किये हैं। आप सभी ने बिल्कुल सही फैसला लिया है, मैं आपके फैसले का स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा में रहकर ही आप सबकी सेवा कर सकते हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर हम जनता की सेवा करनी है, जिससे स्वयं के जीवन की सार्थकता एवं जनता का भी भला होगा।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

एमपी बैंडमिंटन अकादमी की गौरांशी शर्मा ने डेफ ओलिम्पिक में जीता स्वर्ण

भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य बैंडमिंटन अकादमी की दिव्यांग खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने ब्राजील में चल रहे डेफ ओलिम्पिक में टीम इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने बधाई देते हुए कहा कि गौरांशी ने ये साबित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि गौरांशी की प्रतिभा को निखारने का श्रेय हमारी अकादमी की बेहतर सुविधाओं और प्रशिक्षकों को जाता है। साथ ही मैं उनके समर्पित माता-पिता को भी बधाई देती हूँ। गौरांशी के माता-पिता भी दिव्यांग हैं, लेकिन उन्होंने कभी इसे गौरांशी के सपनों के बीच बाधा नहीं बनने दिया।

प्रशिक्षण के लिये एक लाख रूपये स्वीकृत

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि जब गौरांशी टी.टी. नगर स्टेडियम में समर कैम्प में शामिल होने आई थी, तब वो मात्र सात वर्ष की थी। उनकी लगन और जुनून के चलते वे मध्यप्रदेश राज्य बैंडमिंटन अकादमी के प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनकी इस प्रतिभा को निरंतर जारी रखने और बेहतर प्रशिक्षण के लिए खेल विभाग द्वारा एक लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि गौरांशी ने डेफ ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक हासिल कर हमें गौरवान्वित किया है। मुझे उम्मीद है कि गौरांशी इंडिविजुअल इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेगी।

अधिकारियों की कार्यकुशलता, व्यवहार और लोगों के साथ संपर्क से बनती है शासन की छविः मुख्यमंत्री

अपने-अपने काम में मुस्तैद रहें अधिकारी, एक लापरवाही गरीब परिवार के लिए पड़ती है भारी

आम जनता को शासन की योजनाओं का मिले पूरा-पूरा लाभ

आम जनता में सरकार के प्रति दृष्टिकोण बहुत अच्छा रहा

रायपुर। आम जनता को शासन की योजनाओं का मिले पूरा-पूरा लाभमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज सुबह राजपुर में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले की विकास योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जहां अच्छे कार्यो के लिए अधिकारियों की सराहना की, वहीं अपने-अपने काम में मुस्तैद रहने की हिदायत भी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि गरीबों के लिए छोटी-छोटी बातें काफी मायने रखती हैं। एक लापरवाही गरीब परिवार के लिए भारी पड़ती है। उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि राशनकार्ड नही बनने के कारण एक महिला दो साल से नगद में राशन खरीद रही थी। उसकी यह समस्या समीक्षा के दौरान संज्ञान में क्यों नही ली गई। राज्य सरकार की विकास की अवधारणा के केन्द्र में सबसे गरीब व्यक्ति है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उन्हें शासन की योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ मिले।

इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ.शिव कुमार डहरिया, संसदीय सचिव श्री चिंतामणि महाराज, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, सहित जिले के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों की कार्यकुशलता, व्यवहार और लोगों के साथ उनके संपर्क से शासन की छवि बनती और बिगड़ती है। अच्छा काम करेंगे तो आप प्रशंसा पाएंगे। इससे शासन की भी प्रशंसा होगी। यदि आप काम नही करेंगे, तो शासन और आप दोनों की आलोचना होगी। मुख्यमंत्री ने 4 मई को कुसमी विधानसभा क्षेत्र के तीन गांवों में आम जनता से मिले फीडबैक पर कहा कि आम जनता में सरकार के प्रति दृष्टिकोण बहुत अच्छा रहा।

मुख्यमंत्री ने गौठानों को रूरल इंड्रस्ट्रीयल पार्क के रूप में विकसित करने की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि गांव के लोग हुनरमंद हैं, बढ़ई, लौहार का काम पीढ़ी दर पीढ़ी करते आ रहे हैं। केवल उनको प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हर ब्लॉक में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक-दो गौठानों को रूरल इंड्रस्ट्रीयल पार्क के मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। जिन गौठानों में सरसो पेराई मशीन और दाल मिल लगाई गई है, वहां के किसानों को सरसों और दालों का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि गौठानों में आम सहमति से लगभग डेढ़ लाख एकड़ जमीन सुरक्षित कर ली गई है। उन्होंने गौठानों में महिला समूहों द्वारा उत्पादित सामग्री के विक्रय की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए। लोगों को सभी उत्पाद एक ही छत के नीचे मिल सके। इसके लिए हर जिले में सी-मार्ट खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 1998 के बाद पहली बार शिक्षकों की सीधी भर्ती की गई। लोगों को रोजगार से जोड़ना, पीडीएस का सुचारू संचालन, बिजली बिल हाफ योजना, धान खरीदी जैसी योजनाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

श्री बघेल ने धान खरीदी में बेहतर व्यवस्था के लिए अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वर्ष किसानों से समर्थन मूल्य पर 98 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है, जिसमें तीन दिन में भुगतान कर दिया गया। यह आपकी कार्यकुशलता बताता है। इस साल धान का उठाव भी बहुत अच्छे से हुआ है। इससे सूखत, बरसात के नुकसान से बचत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था को काफी बेहतर बनाया गया है। श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स प्रारंभ किए गए हैं। अस्पतालों में दवाईयों और डॉक्टरों की व्यवस्था है। हाट बाजार क्लिनिक योजना, शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई-दीदी क्लिनिक योजना प्रारंभ की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तहसील कार्यालयों में नामांतरण, बंटवारा, फौती आदि के काम रूटीन में होने चाहिए। उन्होंने कुसमी थाना के महिला बंदी गृह के शौचालय को ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों में छोटी-छोटी कमियों को सुधारने की आवश्यकता है। राजधानी से पहुँचे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में श्री बघेल ने जिले वासियों की सहूलियत के लिये संचालित विकास योजनाओं और कार्यक्रमो को सफलतापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए। श्री बघेल ने अधिकारियों से परिचय लिया और खुशनुमा पारिवारिक माहौल में बात की। उन्होंने अधिकारियों की परेशानियों और काम में आ रही दिक्कतों के बारे में भी पूछा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शासन की तरफ से नियम अनुसार सभी संभव मदद का भी आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने बुजुर्ग महिला को मौके पर बनवाकर दिया नया राशन कार्ड

डौरा में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में 67 वर्षीय बुजुर्ग महिला कबिलासो दाई ने मुख्यमंत्री से उनका राशन कार्ड बनवाने की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल नया राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आधे घंटे के भीतर ही महिला का राशनकार्ड बन गया। मुख्यमंत्री ने राशनकार्ड देते हुए बुजुर्ग महिला से पूछा अब तो खुश हो दाई। राशन कार्ड मिलने पर कबिलासो दाई भावुक हो उठी और उनके दोनों हाथ आशीर्वाद देने के लिए मुख्यमंत्री के सर पर रख दिये। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता देखते ही चौपाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। कबिलासो दाई ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ला आशीर्वाद देंत हों, बघेल बहुत बने हे, आज तुरन्त मोर काम हो गे हे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को ग्राम डौरा में समूह की महिलाओं ने तेंदू, कोयनार भाजी, महुआ लड्डू, कसार लड्डू, ठेठरी, खुरमी, कच्चा आम भेंट किया, जिसे उन्होंने बड़े चाव से खाया भी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भेंट-मुलाकात के दौरान आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की अगली किश्त का भुगतान स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर 21 मई को किया जाएगा। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना शुरू की गई है जिसमें 2 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। अब इस योजना में हितग्राहियों को 7 हजार रूपए सालाना दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों से इन दोनों योजनाओं के संबंध में जानकारी ली। चौपाल में उपस्थित हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें इन योजनाओं की राशि प्राप्त हो गई है। श्री बघेल ने बताया कि यह पौनी-पसारी करने वाले नाई, धोबी व पुजारी को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। विधायक बृहस्पत सिंह के आग्रह पर ग्राम डौरा क्षेत्र में पूजा स्थल माडर में पूजा करने वाले बैगा को भी राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना में शामिल करने की सहमति दी। मुख्यमंत्री ने चौपाल में उपस्थित किसानों से नरवा योजना के बारे में पूछा। उपस्थित किसानों ने बताया कि बैरामु नाले में और सरगड़ी में नाले में नरवा योजना क्रियान्वित की जा रही है, इससे नाले में हमेशा पानी रहता है।

शर्मिष्ठा बैद्या ने अपने दिवगंत पति के प्रथम पुण्यतिथि पर बच्चों को स्टेशनरी का सामान बांटा

बिलासपुर। बिलासपुर श्रीमती शर्मिष्ठा बैद्या ने अपने पति स्वर्गीय विमल बैद्या जी की प्रथम पुण्यतिथि पर तालापारा में बच्चों को स्टेशनरी का सामान बांट कर समाज को एक नया सन्देश दिया है कोरोनावायरस ने ना जाने कितनो के अपनों को उनसे दूर कर दिया,कितनो के घरों के चिराग बुझ गए, उन्हीं में से एक है शर्मिष्ठा जी जिनका विवाह विमल जी से 23/6/1994 को हुआ था ,सब कुछ बेहतर चल रहा था जीवन में ,पर अचानक हस्ता खेलता परिवार उस वक्त बिखर गया जब कुछ दिन पहले ही अपने पति विमल बैद्य को कोरोनावायरस की वजह से खो दिया,पर कहते है ना जो अपने होते हैं वो भले ही शारीरिक रूप से साथ नहीं ,पर हमेशा दिल के करीब होते है,शर्मिष्ठा जी ने अपने पति के इच्छा अनुसार, बच्चों को शर्मिष्ठा जी अपने पति को याद करते हुए तालापारा में एक रुपया मुहिम फ्री टयूशन क्लास के बच्चों के बीच उनकी प्रथम पुण्यतिथि मनाया तथा उपहार स्वरूप बच्चों को स्टेशनरी का सामान कॉपी, पेंसिल, पेन, क्रेयन कलर,रबर,के साथ चॉकलेट बांटा ताकि जरूरतमंद बच्चें अपनी पढ़ाई पर हमेशा ध्यान दें, इस अवसर पर स्वर्गीय विमल जी की धर्मपत्नी के साथ उनका बेटा इंद्रनील एवं उनकी बहन साधना गुप्ता उपस्थित रहे और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया

कबीरधाम नामदेव जिला इकाई की बैठक 8 को

कवर्धा। कबीरधाम जिले के समस्त सामाजिक बंधुवो की मीटिंग रविवार 08 मई 2022 को समय 2.30 से 04बजे तक पुराने विश्राम भवन कवर्धा में नामदेव समाज की जिलास्तरीय बैठक रखी गई है । इस संबंध में जिलाध्यक्ष अभिताब नामदेव ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताए कि मीटिंग में समाज के गठन का विस्तार एवं नामदेव समाज के लोगो के लिए सामाजिक जमीन भवन , मंदिर निर्माण पर चर्चा किए जाने का कार्यक्रम रखा गया है । वहीँ सभी सामाजिक बंधुवों से निवेदन किया है कि समय का विशेष ध्यान रखे और अपनी जिम्मेदारी समाज के प्रति समझते हुए एक दूसरे को भी सूचित करेंगे और खुद भी मीटिंग में पहुंचकर समाज के विकास में सहभागी बने।

मां दन्तेश्वरी मंदिर के दर्शन पश्चात जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

दन्तेवाड़ा। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव अपने दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय में स्थित आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में स्व सहायता समूहों द्वारा पूजन सामग्री विक्रेताओं से चर्चा की। उनकी मांगों को ध्यान पूर्वक सुनकर निराकरण करने की बात कही। मंत्री श्री सिंहदेव ने जिला चिकित्सालय स्थल पहुंच अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों के उपचार के संबंध में जानकारी ली। लोगों की सेहत की देखभाल किए जाने का बारीकी से निरीक्षण किया। वहां भर्ती मरीजों से भेंटकर उनका हाल जाना। जिला अस्पताल में रखी दवाइयों का निरीक्षण कर चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला अस्पताल में स्थित धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर दवाइयों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। इस दौरान विधायक श्रीमती देवती महेंद्र कर्मा, छग पादप बोर्ड उपाध्यक्ष श्री छबीन्द्र कर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुश्री सुलोचना कर्मा, पूर्व महापौर जगदलपुर श्री जतिन जायसवाल, श्री कोको पाढ़ी, जिला पंचायत अध्यक्ष सुकमा श्री हरीश कवासी लखमा, प्रदेश प्रतिनिधि श्री देवी सिंह चौहान, श्री कमलोचन सेठिया, श्री शिवशंकर सिंह चौहान, श्री डेगल दादा, श्री शंकर कुड़ियाम, श्री कमलेश कारम, श्री तपन सूत्रधार, श्री जोगराज बुरड़, जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश छिकारा, एसडीएम श्री अबिनाश मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

अब यूपी सरकार भी अपनाएगी बिजनेस मॉडल छग की गोधन न्याय योजना की चर्चा पूरे देश में

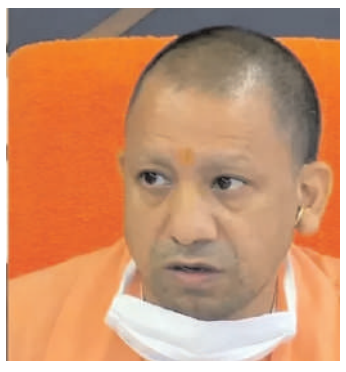

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार का दावा है कि गोधन न्याय योजना देश-दुनिया की इकलौती ऐसी योजना है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ राज्य के गौठानों में 2 रुपए प्रति किलो की दर से गोबर की खरीदी की जा रही है. जुलाई 2020 से शुरू इस योजना के तहत 15 अप्रैल 2022 तक खरीदे गए गोबर के एवज में गोबर बेचने वाले ग्रामीणों को 136.22 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है. अब 5 मई को गोबर विक्रेताओं को 2.34 करोड़ रुपए का भुगतान होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 138.56 करोड़ रुपए हो गया है छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य की गोधन न्याय योजना से 2 लाख 11 हजार से अधिक ग्रामीण, पशुपालक किसान लाभान्वित हो रहे हैं गोबर बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करने वालों में 45.19 प्रतिशत संख्या महिलाओं की है. इस योजना से एक लाख 18 हजार से अधिक भूमिहीन परिवार लाभान्वित हो रहे हैं. छत्तीसगढ़ की इस योजना की चर्चा पूरे देश में हो रही है. गोबर बेचकर ग्रामीणों की आय बढ़ाने का दावा करने वाली कांग्रेस शासित राज्य की इस योजना को अब मध्य प्रदेश की शिवराज और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार भी अपनाने जा रही है. दोनों ही बीजेपी शासित राज्य हैं. मध्य प्रदेश सरकार ने बीते मार्च महीने और उत्तर प्रदेश सरकार ने इस महीने की 2 मई को गोबर खरीदी की योजना शुरू करने का ऐलान किया. उत्तर प्रदेश में 1.50 रुपये प्रति किलो की दर से गोबर खरीदी की जाएगी.

मामा ने की भांजे की पिटाई, बीड़ी नहीं देने पर हुआ विवाद

बिलासपुर। बीड़ी नहीं देने पर मामा ने भांजे की पिटाई कर दी। मारपीट से घायल भांजे ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। तोरवा क्षेत्र के बुधवारी बाजार मुर्राभाठा में रहने वाले भोला डांडेकर हलवाई का काम करते हैं। बुधवार की रात वे काम पर गए थे। रात 11 बजे वे काम से लौटकर अपने मकान का दरवाजा खोल रहे थे। इसी दौरान वहां पर पड़ोस में रहने वाला आनंद वर्मा आ गया। वह भोला के रिश्ते में मामा लगता है। आनंद ने भोला से पीने के लिए बीड़ी मांगा। इस पर भोला ने बीड़ी नहीं होने की बात कही। इसी बात को लेकर उसने अपने भांजे से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसका विरोध करने पर उसने अपने भांजे के सिर में लकड़ी के बत्ते से वार कर दिया। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद घायल ने घटना की शिकायत तोरवा थाने में की है। घायल की शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

परीक्षार्थियों पर मधुमक्खियों ने किया हमला, 12 स्टूडेंट घायल

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर-10 स्थित इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई दसवीं कक्षा की परीक्षा आयोजित की गई थी। यहां पर डीपीएस भिलाई के बच्चों को परीक्षा केंद्र दिया गया था। करीब 400 छात्र-छात्राएं अपने पालकों के साथ परीक्षा देने पहुंचे थे। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए जा रहे विद्यार्थियों के ऊपर प्रवेश द्वार पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इससे कई छात्र-छात्राएं घायल हो गई थोड़ी देर के लिए हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। सभी लोग इधर-उधर भागने लगे। करीब 12 बच्चों को मधुमक्खी ने काट लिया। इससे वे काफी असहज महसूस करने लगे इसकी जानकारी होते ही शक तो नहीं ना अस्पताल से एंबुलेंस में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए डॉक्टरों का एक दल पहुंचा जिनके द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सभी को परीक्षा के लिए रवाना कर दिया गया।

महिला बाल विकास मंत्री ने प्रभारी जिले कांकेर में की योजनाओं की समीक्षा

जन-समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण करें: श्रीमती भेंड़िया

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया अपने दो दिवसीय बस्तर प्रवास के पहले दिन 5 मई को अपनी प्रभार के जिले उत्तर बस्तर कांकेर पहुंची। उन्होंने जिला कार्यालय में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की और अधिकारियों को जनसमस्या व शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। प्रकरण नियमों के अनुरूप नहीं होने पर हितग्राही को स्पष्ट रूप से बता दें, ताकि उसे अनावश्यक भटकना न पड़े। उन्होंने सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने कहा जिससे नागरिकों को जल्द से जल्द योजनाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर श्री चन्दन कुमार ने योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि नरवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में 2465 और द्वितीय चरण में 2480 कार्य पूर्ण हो चुके है। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों को मल्टी एक्टीविटी सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। 389 गौठानों में गोबर की खरीदी की जा रही है, जिससे अब तक 48 हजार 183 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया जा चुका है। जिले में 290 आंगनबाड़ी भवन बनाया जाना है, इसमें से 47 भवन पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के अंतर्गत 75 डेडीकेटेड टीम हाट-बाजारों में पहुंचकर मरीजों का उपचार कर रही है। अब तक 190 हाट-बाजारों में 02 लाख 17 हजार मरीजों का उपचार किया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों तथा गर्भवती व पोषक माताओं को पौष्टिक गर्म भोजन और कोदो की खिचड़ी और रागी का हलवा दिया जा रहा है, इससे कुपोषण की दर में लगभग 13 प्रतिशत की कमी आई है।

जिले में डीएमएफ मद से 125 घोटुल एवं 186 देवगुड़ी बनाए जा रहे है। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के अंतर्गत 07 हजार 124 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिले में 28 हजार 17 वन अधिकार मान्यता पत्र, 06 हजार 327 सामुदायिक वन अधिकार तथा 383 वन संसाधन हक प्रदान किये गये हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री हेमंत ध्रुव, कांकेर नगरपालिका की अध्यक्ष श्रीमती सरोज ठाकुर और जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुभद्रा सलाम, सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अजीब दौर है यह। उन्माद फैला कर समाज में शांतिभंग कर देना जैसे कुछ लोगों का शगल बनता गया है। पटियाला का हिंसक संघर्ष इसका नया उदाहरण है। कुछ लोगों ने 'खालिस्तान के स्थापना दिवस' पर 'सिख फार जस्टिस' के बैनर तले जुलूस निकालने की योजना बनाई थी। इसके विरोध में शिव सेना (बाल ठाकरे) नाम का एक संगठन उतर आया और उसने 'खालिस्तान मुर्दाबाद मार्च' निकाल दिया।

स्वाभाविक ही दोनों गुटों में संघर्ष हुआ, पत्थर चले और कई लोग घायल हो गए। पुलिसकर्मी भी और आम नागरिक भी। इस पर पंजाब सरकार ने हिंसा रोकने के लिए कड़ाई की और कर्फ्यू लगाना पड़ा। गनीमत है कि यह संघर्ष देर तक नहीं चल पाया और पुलिस ने इस पर काबू पा लिया। मगर यह सवाल अब भी अनुत्तरित है कि आखिर इस संघर्ष की नौबत आई क्यों। खालिस्तान को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब अपनी त्वरा खो चुका है।

कुछ छिटपुट लोग कभी-कभार सिर उठाते देखे जाते हैं। विदेश में रह रहे कुछ लोगों पर आरोप लगता रहता है कि वे 'सिख फार जस्टिस' संगठन को सहयोग करते हैं। पंजाब में नई सरकार आने के बाद वह एकदम से इतना सक्रिय कैसे हो गया कि उसके लोगों ने स्थापना दिवस पर जुलूस निकालने की तैयारी कर ली। हैरानी की बात यह भी है कि पंजाब सरकार ने इसे पहले रोकने की कोशिश क्यों नहीं की।

पंजाब पाकिस्तान सीमा से सटा राज्य है, इसलिए इसे संवेदनशील माना जाता है। वहां सुरक्षा को लेकर ज्यादा चौकसी बरती जाती है। खुफिया एजंसियां हर समय सक्रिय रहती हैं। पर हैरानी है कि प्रशासन को पहले ही कैसे खालिस्तान समर्थकों के जुलूस की सूचना नहीं मिल पाई। सब जानते हैं कि खालिस्तान की मांग को लेकर पहले भीषण हिंसा हो चुकी है, जिसके चलते पूरा पंजाब वर्षों दहशत के साए में गुजार चुका है।

अब वहां के लोग खालिस्तान की मांग को किसी भी रूप में जायज नहीं मानते। हालांकि यह आशंका भी जताई जाती रही है कि सीमा पार से इस संगठन को उकसाने के प्रयास होते हैं। ऐसे में अगर वह संगठन फिर से सिर उठा रहा है, तो यह सबके लिए चिंता का विषय है। यह ठीक है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की पहली बार सरकार बनी है, इसलिए उसे वहां कानून-व्यवस्था संभालने में कुछ अड़चनें आ रही होंगी। मगर इस तर्क पर भगवंत मान म रहत ह। इस आराप का साध खडन करन क बजाय उन्होंने घुमा-फिरा कर जवाब दिया था। अब अगर खालिस्तान के समर्थन में यह जुलूस निकला तो एक बार फिर उनका इस सवाल के घेरे में आना स्वाभाविक है।

सवाल है कि जो संगठन दहशतगर्दी के जरिए देश की अखंडता को भंग करने की कोशिश कर चुका हो, उसके प्रति किसी भी तरह की नरमी भला क्यों होनी चाहिए।

कुदरत में बसा जीवन

ग्रामीण अंचल में जामुन के बहुतेरे पेड़ दिख जाते हैं। जामुन पकते हैं और गिरते हैं। सड़क पूरी जामुनी काली-काली हो जाती है। कई जगहों पर तो जामुन गिरते हैं, ऊपर से गाड़ियां निकल जाती हैं। एग दिन रास्ते से गुजरते हुए देखा कि एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा था और ड्राइवर के साथ उसके बंदे ट्रक की छत पर चढ़ कर जामुन तोड़ रहे थे। मैं ने सोचा ये लोग कितने आनंद में हैं. इन्हें बाजार जाकर जामुन खरीदने की जरूरत नहीं। ताजा जामुन सीधे पेड़ से तोड़ रहे हैं। इस वर्ष आम की फसल भी खासी अच्छी हुई है। पेड़ों पर लटकते दिखते वर्षों बाद आम के छोटे फलों को देख कर मन में उम्मीद जगी है कि इन्हें पकने पर मैं सीधे इन्हें पेड़ पर से तोड़ कर खा सकूंगा। पेड़ के पके आम खूब मीठे और स्वादिष्ट होते हैं। इसी के समांतर मैंने सोचा कि काश मैं जामुन भी सीधे पेड़ से तोड़ कर खा सकूं। मगर ऊंचे और भरे जामुन के पेड़ पर चढ़ना संभव नहीं हो सका। हम शहर के वासी क्या खाकर जामुन के पेड़ पर चढ़ेंगे! मन मसोस कर मुझे साठ और अस्सी रुपए किलो पर जामुन खरीदना पड़ा।

(सुरेश चंद्र रोहरा)

काले-काले, बैंगनी जामुन! इनका खयाल आते ही हमारे मुंह में पानी आ जाता है। जैसे ही जामुन बाजार में आते हैं, मैं कभी एक पाव तो कभी आधा किलो जामुन खरीद लाता हूं और बड़े मजे से उनका स्वाद लेता हूं। यह सोच कर कि इसमें कितने औषधीय गुण हैं। इनका सेवन करने से डाइबिटीज यानी मधुमेह और उच्च रक्तचाप पास भी नहीं फटकता। जाने कितने गुणों की खान यह जामुन प्रकृति की अनमोल नियामत है।

मगर इस बार मैंने एक बात गौर की। हमारे छत्तीसगढ़ अंचल में जामुन लगभग दुगनी कीमत में बिक रहा है। पिछले वर्ष बीस रुपए किलो वाला जामुन इस बार चालीस रुपए से ऊपर कीमत पर बिक रहा है। पहली फसल है, मगर चालीस से अस्सी रुपए किलो तक। मैं लेखने संबंधी कार्य से ग्रामीण अंचल में भ्रमण करता रहता हूं। मैंने देखा कि शहर से चालीस-पचास किलोमीटर दूर के क्षेत्र में भी जामुन साठ रुपए किलो बिक रहा है। मैंने सोचा कि यह तो प्रकृति की नेमत हैज्फिर भी इसकी कीमत इतनी बेलगाम क्यों हुई जा रही है। मैं मन ही मन कोफ्त में दोहराता रहा, मगर सब बेमानी।

ग्रामीण अंचल में जामुन के बहुतेरे पेड़ दिख जाते हैं। जामुन पकते हैं और गिरते हैं। सड़क पूरी जामुनी काली-काली हो जाती है। कई जगहों पर तो जामुन गिरते हैं, ऊपर से गाड़ियां निकल जाती हैं। एग दिन रास्ते से गुजरते हुए देखा कि एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा था और ड्राइवर के साथ उसके बंदे ट्रक की छत पर चढ़ कर जामुन तोड़ रहे थे। मैं ने सोचा ये लोग कितने आनंद में हैं. इन्हें बाजार जाकर जामुन खरीदने की जरूरत नहीं। ताजा जामुन सीधे पेड़ से तोड़ रहे हैं।

इस वर्ष आम की फसल भी खासी अच्छी हुई है। पेड़ों पर लटकते दिखते वर्षों बाद आम के छोटे फलों को देख कर मन में उम्मीद जगी है कि इन्हें पकने पर मैं सीधे इन्हें पेड़ पर से तोड़ कर खा सकूंगा। पेड़ के पके आम खूब मीठे और स्वादिष्ट होते हैं। इसी के समांतर मैंने सोचा कि काश मैं जामुन भी सीधे पेड़ से तोड़ कर खा सकूं। मगर ऊंचे और भरे जामुन के पेड़ पर चढ़ना संभव नहीं हो सका। हम शहर के वासी क्या खाकर जामुन के पेड़ पर चढ़ेंगे! मन मसोस कर मुझे साठ और अस्सी रुपए किलो पर जामुन खरीदना पड़ा।

एक दिन बड़ा प्यारा-सा वाकया हुआ। मैं बिलासपुर से लौट रहा था। ग्राम पंतोरा के पास कुछ लड़कियां एक पेड़ के नीचे खड़ी थीं और ऊपर की तरफ देख रही थीं। उनके हाथों में जामुन था। वे खा रही थीं और आपस में बातें भी कर रही थीं। मैंने वहां गाड़ी रोक ली और कैमरे से तस्वीर लेने की कोशिश की। मैं समझ रहा था कि ये लड़कियां सड़क के किनारे लगे इस जामुन के पेड़ से जामुन तोड़ रही हैं। मैं जिज्ञासा के साथ जब उनके निकट पहुंचा, तो देखा कि एक लड़की पेड़ पर चढ़ी हुई थी और जामुन तोड़-तोड़ कर नीचे गिरा रही थी। मैं आनंद विभोर हो उठा। ऐसा दृश्य जिसकी कवि, कथाकार सिर्फ कल्पना ही करता है, मेरी सामने जीवंत था मैं मुदित मन से उनकी तरफ बढ़ा। सोचा आज बहुत दिनों बाद मेरी इच्छा पूरी हो सकेगीज्पेड़ पर पके और ताजा तोड़े जा रहे जामुन के दो-चार फल खाने को मिल जाएंगे। मैंने हंसकर लड़कियों से कहा- 'देखो बच्चों! यह पेड़ हमारा है, सब अपने हाथों में रखे दो-दो जामुन मुझे दे दो। यह सुनकर लड़कियां पहले कुछ डरीं। लेकिन कुछ मेरे हास्य बोध को समझ गईं और जामुन जीमते हुए दो-दो, चार-चार जामुन मुझे देने लगीं। इधर पेड़ पर चढ़ी लड़की जामुन तोड़ कर नीचे गिराती रही। थोड़ी देर बाद धीरे-धीरे वह पेड़ से नीचे आ गई।

मैंने गौर किया कि उसने स्कूल की नीली ड्रेस पहनी हुई थी। मैंने जामुन खाते हुए उससे पूछ दिया- मुझे यह बताओ कि हमारे राज्य के मुख्यमंत्री कौन हैं! लड़की ने तत्काल सही उत्तर दिया। मुझे अच्छा लगा। पेड़ से उतरी लड़की थोड़ा हांफ रही थी। शायद देर तक पेड़ पर जामुन तोड़ते हुए थक गई होगी। इसके बाद जामुन खाती लड़कियां दौड़ कर सड़क के उस पार अपने स्कूल की ओर जा रही थी। मगर पेड़ से उतरी लड़की मेरे कुछ सामान्य से प्रश्नों का सही-सही जवाब दे रही थी। इसके बाद वह लड़की भी स्कूल की ओर दौड़ती-उछलती निकल गई। मैं देखता रह गया। खुशी को खोजने की हालत पैदा हो गए दिनों में इस तरह बच्चों की खुशियों से भरी छवियां मेरी आंखों में ठहर गई।

मैंने पेड़ से पके आम खाने की कल्पना के बाद पेड़ से तोड़े गए जामुन खाए। हृदय गदगद था। लेकिन ध्यान में घूम रहा था कि गांव की छोटी बच्चियां कैसे पेड़ पर चढ़ जाती हैं, उतर जाती हैं। क्या हमारे शहर में लड़कियों को ऐसा होने दिया जाता है? खैर, पेड़ कट रहे हैं, गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आ जाएगी। अब तो बस यही सोच रहा कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाऊंगा। खासतौर पर फलों वाले पेड़!

विकास की ऊर्जा

पूरा विश्व ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। भारत एक ऐसा देश है, जहां पर सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं, बस उन पर काम करने की जरूरत है। देश का अधिकांश भाग पूरे वर्ष भरपूर सौर ऊर्जा प्राप्त करता है। हमारे समुद्री क्षेत्रों में पवन वेग इतना रहता है कि सरलता से ऊर्जा का दोहन किया जा सकता है। ये दोनों ही ऊर्जा स्रोत हमारे देश के लिए वरदान सिद्ध हो सकते हैं, अगर हम मुफ्तखोरी की राजनीति को छोड़कर इन क्षेत्रों पर काम करें।

(राजेंद्र कुमार शर्मा)

पूरा विश्व ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। भारत एक ऐसा देश है, जहां पर सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं, बस उन पर काम करने की जरूरत है।मौसम का पारा जैसे-जैसे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे बिजली संकट भी बढ़ता जा रहा है। प्रदेश कोयला आयात की मांग कर रहे हैं। प्रदेशों को कोयले के अभाव में बिजली उत्पादन में आ रही परेशानियों के बारे में एक ही बात कही जा सकती है कि हम आज भी अपने देश की अपेक्षित ऊर्जा के एक बड़े भाग का उत्पादन कोयले पर आधारित थर्मल संयंत्रों से कर रहे हैं। हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते है कि कोयला एक अनवीकरणीय प्राकृतिक स्रोत है, जिस पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं चल सकती।

पूरा विश्व ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। भारत एक ऐसा देश है, जहां पर सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं, बस उन पर काम करने की जरूरत है। देश का अधिकांश भाग पूरे वर्ष भरपूर सौर ऊर्जा प्राप्त करता है। हमारे समुद्री क्षेत्रों में पवन वेग इतना रहता है कि सरलता से ऊर्जा का दोहन किया जा सकता है। ये दोनों ही ऊर्जा स्रोत हमारे देश के लिए वरदान सिद्ध हो सकते हैं, अगर हम मुफ्तखोरी की राजनीति को छोड़कर इन क्षेत्रों पर काम करें।

हमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों पर अन्वेषण और शोध को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन स्रोतों से कम लागत पर अधिक ऊर्जा प्राप्त करने की विधियों को विकसित किया जा सके। सरकार को सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में ऊर्जा दोहन के लिए किए जाने वाले अन्वेषण और शोध के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन और आर्थिक मदद देनी चाहिए। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे ऊर्जा खपत में भी उतनी ही तेजी से वृद्धि होती है। प्रदेशों को इस अतिरिक्त ऊर्जा मांग की पूर्ति के लिए अतिरिक्त कोयले की आवश्यकता होती है, जिसे पूरा किया जाना मुश्किल हो जाता है। इस समय पर उन राजनीतिक दलों से प्रश्न किया जाना चाहिए जो मुफ्तखोरी की राजनीति के दम पर सत्ता हासिल कर देश की अर्थव्यवस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं। इस काम में लगभग सभी मुख्य दल लगे हैं। अब इस कोयले अभाव के संकट में अगर कोयले का आयात किया भी जाता है तो भी नुकसान हमारा ही है। हमारी विदेशी मुद्रा के कोष में कमी आना स्वाभाविक है।

देश के नागरिकों को इस बात को अच्छी तरह से समझना होगा कि कोई भी राजनीतिक दल अपने पार्टी फंड से मुफ्त में बिजली और पानी नहीं देता, वे देश के ही प्राकृतिक संसाधनों और आम जनता के पैसे से ही ये मुफ्त की बिजली और पानी देने की घोषणाएं करते हैं। फिर इस मुफ्तखोरी का आम नागरिक को क्या लाभ है? टैक्स का पैसा तो आम आदमी की जेब से ही निकाला जाना तय है। मतदाता को जागना होगा, बजाय इसके लिए अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी मारा जाए।

अंधविश्वास का जाल

(हेमा हरि उपाध्याय 'अक्षत',)

हाल ही में एक खबर पढ़ी जिसके मुताबिक बुद्धि तेज करने के नाम पर तांत्रिक ने छात्रा से घर में बलात्कार किया था। ऐसी खबरें देश के अलग-अलग कोने से आए दिन आती रहती हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस शैक्षिक, वैज्ञानिक व आधुनिक युग में भी ढोंगी बाबा, झांसेबाजों व तांत्रिकों के चक्कर में पड़ कर अपनी जमा पूंजी, इज्जत व जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

कहीं कोई सीख और सबक नहीं। ठोकरें खाते देख कर और सुनने के बाद भी बेढंगी चाल जारी है। समझना होगा कि तांत्रिक क्रियाओं, अनुष्ठानों, हवनों से न तो बुद्धि तेज होती है, न नौकरी मिलती है, न धन दौलत। केवल इनके छलावे में आकर रोना-धोना और बर्बादी ही मिलती है। यह ठगी के अलावा कुछ भी नहीं है।अगर इन क्रियाओं से वाकई कोई फायदा होता तो सबसे पहले ये ढोंगी अपना और अपने परिवार का कल्याण करते। ये मालामाल होते। ये इधर उधर मारे-मारे नहीं फिरते। इतना कुछ सुनकर व घटनाओं के घटित होने के बाद भी झांसेबाजों के जाल में फंस जाते हैं, तो दोष किसे दें? अब तो नसीहत लेना ही होगी कि इन झांसेबाजों के जाल में न फंसे।

पुलिस का दुरुपयोग दोधारी तलवार

असम पुलिस का यह आचरण पुलिस में दिन-ब-दिन बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप और शीर्ष पुलिस नेतृत्व द्वारा मौका मिलते ही पूरी तरह समर्पण करने की प्रवृत्ति का द्योतक है। यदि एक ऐसे विधायक को, जिसकी धाक पूरे देश में है, फर्जी मामले में फंसाया जा सकता है, तो फिर आम नागरिक के साथ क्या हो सकता है, इसकी मात्र कल्पना ही की जा सकती है। पुलिस का अपने विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल की कामना किसी एक राजनीतिक दल की बपौती नहीं है।

(विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी)

गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी को पिछले दिनों जमानत देते समय बारपेटा के न्यायाधीश ने लोकतंत्र और पुलिस को लेकर जिस तरह की टिप्पणियां की हैं, वे हम सबकी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त हैं। जिग्नेश को सबसे पहले असम के एक जिले की पुलिस ने उनके द्वारा किए गए कुछ ट्वीट्स के आधार पर गिरफ्तार किया, और जब उन्हें उसमें जमानत मिल गई, तो उन्हें हिरासत में रहते हुए ही एक महिला पुलिसकर्मी से दुर्व्यवहार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। सत्र न्यायाधीश ने इस पूरे मामले को फर्जी करार देते हुए असम पुलिस की कार्यप्रणाली पर कठोर टिप्पणियां की हैं। उन्होंने पुलिस की अराजकता पर नियंत्रण करने का अनुरोध किया है। न्यायाधीश की यह टिप्पणी सबसे महत्वपूर्ण है कि मुश्किल से हासिल लोकतंत्र को पुलिस-राज में तब्दील नहीं होने दिया जा सकता। पिछले कुछ वर्षों में असम में पुलिस अभिरक्षा से 'भागने' का प्रयास करते हुए मारे जाने वाले कैदियों की संख्या में जैसी असाधारण वृद्धि हुई है, उसे देखते हुए यह टिप्पणी बहुत महत्वपूर्ण है।

असम पुलिस का यह आचरण पुलिस में दिन-ब-दिन बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप और शीर्ष पुलिस नेतृत्व द्वारा मौका मिलते ही पूरी तरह समर्पण करने की प्रवृत्ति का द्योतक है। यदि एक ऐसे विधायक को, जिसकी धाक पूरे देश में है, फर्जी मामले में फंसाया जा सकता है, तो फिर आम नागरिक के साथ क्या हो सकता है, इसकी मात्र कल्पना ही की जा सकती है। पुलिस का अपने विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल की कामना किसी एक राजनीतिक दल की बपौती नहीं है। हाल ही में पंजाब पुलिस ने भी पिलखुआ में कवि कुमार विश्वास के घर पर इसी तरह एक आभासी टिप्पणी पर दबिश दी थी। याद रहे कि असम और पंजाब में भिन्न दलों की सरकारें हैं, पर अपने विरोधियों से पुलिस के जरिये निपटने की भूख दोनों में एक जैसी ही है।

पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल व्यक्तिगत आजादी की सांविधानिक गारंटी को किस तरह बाधित करता है, यह असम जैसी घटनाओं से बखूबी समझा जा सकता है, पर इससे भी ज्यादा चिंताजनक सांप्रदायिक उन्माद की वे घटनाएं हैं, जो पिछले कुछ दिनों में देश के विभिन्न भागों में घटी हैं और जिनसे निपटने में असफलता के पीछे एक जैसा ही राजनीतिक हस्तक्षेप दिखता है। यह हस्तक्षेप अलग-अलग दलों की सरकारों द्वारा समय-समय पर किया जाता रहा है।

देश की आजादी के 75वें वर्ष में, जिसे हम अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं, किसे उम्मीद थी कि देश के अलग-अलग हिस्सों में नफरत के फफोले फूट पड़ेंगे और पीब के फव्वारे हमारे शरीर को उस आभा से वंचित कर देंगे, जिसके दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में हम पात्र थे। यह अनायास नहीं हुआ कि इस वर्ष रामनवमी के अवसर पर देश का एक तिहाई भाग किसी न किसी तरह की हिंसा का शिकार हुआ। इसके लिए हम पिछले काफी दिनों से तैयारी कर रहे थे। इस बीच उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में चुनाव हुए हैं, जिनमें खुलकर हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेला गया। इन्हीं के दौरान जब परस्पर घृणा अपने उरूज पर थी, देश के कई हिस्सों में संत सम्मेलन आयोजित किए गए। इन सम्मेलनों में जैसे वक्तव्य दिए गए या हथियारों का जिस तरह से प्रदर्शन किया गया, उसमें बहुत कुछ ऐसा था, जिनकी किसी संत सम्मेलन में अपेक्षा नहीं की जा सकती थी। कई धर्म संसदों और माहौल में काफी जहर घुल जाने के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने रुड़की में प्रस्तावित धर्म संसद पर रोक लगा दी। जितनी आसानी से स्थानीय प्रशासन ने आयोजकों और भाग लेने वालों को अनुशासित कर दिया, उससे स्पष्ट हो गया कि केवल राज्य की इच्छा शक्ति का अभाव था, जिनके चलते पिछले धर्म संसदों में उत्तेजक भाषण हो सके। न्यायपालिका से भी जैसी सक्रियता की अपेक्षा की जा सकती है, वैसी नहीं दिखाई दी। हरिद्वार के पहले धर्म संसद के दौरान किए गए भाषणों को लेकर कई व्यक्ति और संगठन सर्वोच्च न्यायालय गए, पर किसी प्रभावी कार्यवाही के अभाव में रुड़की के प्रस्तावित कार्यक्रम के पहले कई और कार्यक्रम हुए और उनमें एक से एक बढ़कर भड़काऊ भाषण होते रहे।

जिस तरह के दंगे-फसाद पिछले दिनों हमारे यहां हुए हैं, उनसे पूरी दुनिया में हमारी छवि पर असर पड़ा है। यदि हम विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं, तो हमें अपना घर सुधारना होगा। कोई राष्ट्र आर्थिक महाशक्ति नहीं बन सकता, यदि वहां प्राकृतिक न्याय के सर्वमान्य सिद्धांतों का पालन नहीं होता। दुनिया में सभ्य राष्ट्र वे ही कहलाते हैं, जिनमें कानून का शासन होता है और यह कानून कायदों का पालन करने वाली पुलिस के जरिये ही संभव है। पुलिस द्वारा खुद ही न्यायाधीश की भी भूमिका हथियाने की चाहत से फर्जी एनकाउंटर का जन्म होता है। त्वरित न्याय की यह पद्धति हमारे समाज को बर्बर और असभ्य ही बनाएगी।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पुलिस राज्य का सबसे दृश्यमान अंग होती है। सांप्रदायिक हिंसा के दौरान जब कर्फ्यू लगा हो, तब तो अक्सर सन्नाटा भरी निर्जन सड़कों पर सिर्फ पुलिस भारतीय राज्य का प्रतिनिधित्व करती है। यदि वह समाज के किसी तबके का विश्वास जीतने में असफल होती है, तो इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि एक बड़े वर्ग का राज्य में विश्वास खत्म हो गया है। भारत एक बहुभाषी और बहुधार्मिक समाज है और इस विविधता की रक्षा में ही इसका कल्याण है। धार्मिक, जातीय या भाषिक तनाव के दौरान पुलिस के निष्पक्ष और पेशेवर आचरण से ही भारतीय राज्य की निष्पक्षता की परख होती है। दुर्भाग्य से हालिया दंगों में पुलिसकर्मी अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने का प्रयास करते से दिखते हैं।

पुलिस का अपने संकीर्ण हित में इस्तेमाल करने को व्यग्र राजनीतिज्ञों को समझना होगा कि इसका दुरुपयोग एक दोधारी तलवार की तरह है। पुलिस को गैरकानूनी आचरण के लिए प्रेरित करने वाले भूल जाते हैं कि जिस दिन वे सत्ता में नहीं होंगे, यही पुलिस उनके खिलाफ भी गैरकानूनी आचरण से नहीं झिझकेगी। दिलचस्प यह है कि जिन नेताओं ने विपक्ष में रहते हुए पुलिस की बर्बरता झेली है, वे भी सत्ता हासिल करते ही उसका दुरुपयोग करने के लिए आतुर हो जाते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

लगातार बुली किए जाने पर भावुक हुईं उर्फी जावेद

अपने अतरंगी फैशन सेंस की वजह से चर्चा में छाई रहने वाली उर्फी जावेद एक बार फिर ट्रोलिंग से परेशान हैं। उन्होंने एक पोर्टल का स्क्रीनशॉट शेयर कर अपनी आपबीती सुनाई है। बिग बॉस ओटीटी फेम और सोशल मीडिया सेंशेन उर्फी जावेद अपने स्टाइल और स्टेटमेंट्स की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। वह खुद पर ही कपड़ों के साथ अजीबोगरीब एक्सपेरिमेंट करती दिखाई देती हैं। हालांकि उसके लिए उनकी आलोचना भी होती रहती है। कुछ दिन पहले तो सुजैन खान की बहन फराह अली खान तक ने भी सोशल मीडिया पर उनके कपड़ों को लेकर बहुत कुछ कहा था। वैसे भी ट्रोल्स उनके बारे में उल्टा-पुल्टा लिखते ही रहते हैं। लेकिन हर बार वह सबको मुंहतोड़ जवाब भी दे देती हैं। उनके बारे में किसी पोर्टल ने भी कुछ ऐसा लिखा, जिसका स्क्रीनशॉट शेयर कर उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा और भावुक हो गईं। उर्फी के मुताबिक वह पोर्टल लगातार उनके फैशन स्टाइल की आलोचन कर रहा था। ऐसे में उन्होंने उस पोर्टल का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, तुम लोग बहुत ही बेकार हो। ये लोग लगातार मेरा मजाक बना रहे हैं। भद्दी बातें लिख रहे हैं। लेकिन ठीक है आप इंगेजमेंट बढ़ाने के लिए मेरा नाम इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, दूसरी स्टोरी में उर्फी भावुक हो गईं। उन्होंने कि उनको कभी-कभी ऐसा लगता है कि गालियां, रेप की धमकी और लगातार बुलिंग से वह प्रभावित हो रही हैं। लगातार बुलिंग और ट्रोलिंग से मैं पागल हो गई हूं। मैं रोती हूं। बहुत रोती हूं लेकिन मुझे लगता है कि लाइफ ऐसे ही चलती रहती है। आपको बस अपना करना होगा, जो आपको नहीं समझते हैं, उनसे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। फिलहाल तो मैं ठीक हूं लेकिन आज ऐसा लग रहा है कि मैं अब नहीं कर पाउंगी। मुझे हार मानने का मन कर रहा है। ऐसा मेरे साथ बहुत बार होता है। नफरत, गालियां, ट्रोलिंग, बुलिंग, रेप थ्रेट्स, लाइफ थ्रेट्स, मतलब क्या नहीं होता।

दिसंबर में सात फेरे लेंगे आथिया और केएल राहुल!

बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे सुनील शेट्टी

एक्टर सुनील शेट्टी की बेटी आथिया शेट्टी भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल के साथ रिलेशनशिप में है। दोनों ने काफी समय कर अपने रिश्ते को छिपाकर रखा। फिल्म तड़प के प्रीमियर पर आथिया और केएल राहुल ने एक साथ एंट्री कर अपने रिश्ते पर मोहर लगा दी, जिसके बाद से दोनों की शादी की खबरें आ रही हैं। आथिया और केएल राहुल बहुत जल्द शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनील शेट्टी ने अपनी बेटी की शादी की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनील अपनी बेटी की शादी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। इसी वजह से सुनील शेट्टी ने अभी से ही अपनी बेटी की शादी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुनील ने एक स्पेशल दिन के लिए अच्छे होटल, कैटरर्स और डिजाइनर भी बुक कर दिए हैं। ये अथिया की वेडिंग सेरेमनी वाला दिन ही होगा। आथिया और केएल राहुल दिसंबर में शादी करेंगे। दोनों का परिवार दक्षिण भारत से ताल्लुक रखता है और इसी वजह से दोनों की शादी भी दक्षिण भारतीय रीति-रिवाज से होगी। शादी जुहू के एक फाइव स्टार होटल में होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, आथिया और केएल राहुल शादी से पहले लिव-इन में रहने की तैयारी कर रहे हैं और दोनों ने घर भी खरीद दिया है। दोनों ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के घर वास्तु के पास एक बंगला लिया है, जिसमें दोनों जल्द ही शिफ्ट हो सकते हैं।

ध्वनि भानुशाली हिट्ज़

म्यूजिक के नए सिंगल डायनामाइट के साथ

बनीं सुपर गर्ल

देश की पॉपुलर पॉप सिंगर ध्वनि भानुशाली ने हिट्ज़ म्यूज़िक पर आज अपना लेटेस्ट सिंगल डायनामाइट रिलीज किया। हाई ऑन बीट्स यह डांस ट्रैक म्यूजिक और विसुअल्स के मामले में दर्शकों को कुछ फ्रेश और नया देने का वादा करता है। इस कलरफुल म्यूजिक वीडियो को कोलिन डीकुन्हा ने डायरेक्ट किया है जो पंजाब के खूबसूरत लोकेशन्स पर सेट किया गया है। इस वीडियो में ध्वनि को एक मॉडर्न पंजाबी कुड़ी के रूप में दिखाया गया है, जो जानती है कि हर लड़की एक लड़के के बराबर है और यह गाने के पॉवरफुल लीरिक्स के जरिए सामने आता है। वहीं कुंवर जुनेजा द्वारा लिखित इस म्यूजिक वीडियो को गौरव दासगुप्ता ने कंपोज किया हैं, जिसमें ध्वनि पहली बार फुल स्वैग के साथ रैप करती दिखाई देंगी और जो फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कमी नहीं होगा। रजित देव की कोरियोग्राफी और गाने के जबरदस्त बीट्स निश्चित रूप से हर दर्शक को ध्वनि के साथ-साथ इसकी धुन पर झूमने को मजबूर कर देंगे। इस वीडियो का आइडिया इस विचार के साथ आया कि क्या होगा अगर एक रेगुलर पंजाबी गर्ल को सुपरपावर्स मिल जाए? ध्वनि भानुशाली का डायनामाइट वास्तव में रंगों का धमाका और पंजाबी साउंड्स के साथ एक आम लड़की के जीत का सेलिब्रेशन है। सिंगर ध्वनि भानुशाली कहती हैं, मेरे लिए डायनामाइट काम करने के लिए एक धमाका था। पंजाब में एक सुंदर वाइब है और मुझे वहां के लोगों की एनर्जी पसंद है। डायनामाइट मूल रूप से देसी है।

अपनी आने वाली फिल्मों के लिए तैयारियों में जुटे टाइगर

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ तीन एक्शन फिल्मों की तैयारी के लिए मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्हें जबरदस्त फिटनेस और अपनी भूमिकाओं के अनुरूप शानदार बॉडी बनाने की आवश्यकता है। अपनी तैयारी के बारे में बोलते हुए टाइगर ने कहा, मैं वर्तमान में गणपत के लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प कार्यक्रम की तैयारी कर रहा हूं। इसके लिए मुझे अच्छी बॉडी बनाने की जरूरत है, जिसके लिए मैं अभी प्रशिक्षण ले रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, उसके बाद, हम रैम्बो की तैयारी करेंगे, जो गणपत में की जा रही चीजों से बहुत अलग है। और फिर, मैं अक्षय सर के साथ बड़े मियां, छोटे मियां में आऊंगा। तीन फिल्म परियोजनाओं के साथ, टाइगर श्रॉफ दर्शकों को आकर्षित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी आकर्षक मुस्कान और अद्भुत डांस मूव्स के लिए जाने जाने वाले टाइगर की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है।

धोखेबाज में विवेक ओबेरॉय और त्रिधा चौधरी के साथ हुईं मेरी खास दोस्ती- सौरभ प्रजापति

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय और त्रिधा चौधरी का लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो धोखेबाज हाल ही रिलीज हुआ। इस गाने को कोरियोग्राफ सौरभ प्रजापति ने किया। गाने से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए सौरभ प्रजापति कहते है, धोखेबाज की खास बात यह है कि इस गाने के लिरिक्स जानी ने लिखे है और कंपोज भी उन्होंने ही किया है। वह मेरे फेवरेट हैं और मैं अफसाना खान के बारे में क्या कहूं, उनकी आवाज अद्भुत है। सौरभ कहते हैं, गाने को चेहरे के भावों और डांस की कलाओं से चित्रित किया जाना था। गाने में मैंने कथक, लावणी, मुजरा जैसे डांस स्टेप्स का इस्तेमाल किया है। गाने के टाइटल को लेकर सौरभ ने कहा, धोखेबाज अपने आप में एक पावरफुल टाइटल। यही कारण है कि दर्शक इस गाने की ओर आर्कषित होंगे। गाने में विवेक ओबेरॉय और त्रिधा चौधरी दोनों ही शानदार कलाकार है और मिलनसार भी है। मेरी उनसे खास दोस्ती हो गई है। उन्होंने मेरी कोरियोग्राफी की सराहना भी की। मुझे उन दोनों के साथ काम करके अच्छा लगा।

खतरों के खिलाड़ी 12 में नजर आएंगी रुबीना

टीवी अभिनेत्री रुबीना दिलैक स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 12 का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नए सीजन में होस्ट रोहित शेट्टी और प्रतियोगी नए रोमांच और कुछ असाधारण स्टंट के लिए केप टाउन की ओर बढ़ेंगे। बिग बॉस 14 की विजेता रुबीना शो का हिस्सा बनने और चुनौतियों का सामना करने के लिए उत्साहित हैं, उन्होंने कहा, मैंने जीवन में कई बाधाओं को झेला है, जिसने मुझे मजबूत बनाया है और मैं खतरों के खिलाड़ी में आने के लिए बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि रोहित शेट्टी सर के मार्गदर्शन से, मैंने अपने लिए जो कुछ भी निर्धारित किया है, उससे अधिक हासिल कर सकूंगी। मेरे सभी प्रशंसकों को बहुत प्यार और मैं चाहती हूं कि वे इस नए प्रयास में मेरा समर्थन करें। पिछले सीजन में अर्जुन बिजलानी विजेता रहे थे और रुबीना को उम्मीद है कि वह इस सीजन में जीत हासिल करेंगी।

ग्रीन साड़ी में जाह्नवी का स्टनिंग अवतार

धड़क गर्ल यानि एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने ग्लैमरस और देसी अवतार से लोगों का दिल जीत लेती हैं। जाह्नवी कपूर ने भले ही कुछ ही फिल्में की लेकिन उन्होंने कम समय में बॉलीवुड में अपनी पहचान बना ली हैं। फिल्मों में अपनीदमदार एक्टिंग दिखाने के अलावा जाह्नवी ने यह भी साबित कर दिया है कि वह एक फैशनिस्टा हैं। धड़क एक्ट्रेस समय-समय पर अपने सोशल मीडिया पर स्टनिंग तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती हैं। एक बार फिर जाह्नवी ने अपने साड़ी लुक से लोगों का चैन चुराया। लुक की बात करें तो जाह्नवी ग्रीन कलर की फ्लोरल प्रिंटेड साड़ी में बेहद खूबसूरत लगीं। मिनिमल मेकअप, कजरारे नैन जाह्नवी के लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। एक्सेसरीज के लिए जान्हवी ने स्टेटमेंट ईयररिंग्स को चुना है।

अक्षय कुमार ने सिनेमा में किए

30 साल पूरे

अभिनेता अक्षय कुमार ने हिंदी फिल्म उद्योग में 30 साल पूरे कर लिए हैं और यश राज फिल्म्स ने एक नया पृथ्वीराज पोस्टर बनाकर उनके इस उपलब्धि को शानदार तरीके से दिखाया है, जिसमें अभिनेता की हर एक फिल्म को दिखाया गया है। प्रोडक्शन हाउस द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में अक्षय को यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि यह मेरे दिमाग में भी नहीं आया कि यह गतिविधि सिनेमा में मेरे 30 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए हो रही है! यह शानदार है कि मेरी पहली फिल्म सौगंध को 30 साल बीत चुके हैं! मेरे फिल्मी करियर का पहला शॉट ऊटी में था और यह एक एक्शन शॉट था! इस भाव के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह वास्तव में खास है। अक्षय की अगली फिल्म पृथ्वीराज निडर और पराक्रमी सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन और वीरता पर आधारित है। वह उस महान योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं, जिसने आक्रमणकारी के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी। फिल्म का निर्देशन डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है, जो टेलीविजन महाकाव्य चाणक्य और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म पिंजर के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। मानुषी छिल्लर ने संयोगिता की भूमिका निभाई है। यह फिल्म 3 जून को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होने वाली है।

करनाल में 4 खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

दहशतगर्दों को बॉर्डर पार ड्रोन से पहुंचाए जा रहे थे हथियार, विस्फोटक और असलहा बरामद

करनाल

हरियाणा के करनाल जिले में गुरुवार सुबह पुलिस ने 4 खालिस्तानी आतंकियों को नेशनल हाईवे से गिरफ्तार किया। चारों गिरफ्तार आतंकी इनोवा गाड़ी में हाईवे से गुजर रहे थे। इंटेलिजेंस ब्यूरो (ढ्ढक्च) ने इस बारे में सूचना दी थी। चारों गिरफ्तार आतंकी गुरप्रीत, अमनदीप, परविंदर और भूपेंदर पंजाब के रहने वाले हैं। इनमें तीन फिरोजपुर और एक लुधियाना का है। बताया जा रहा है कि चारों आतंकी संगठन बब्बर खालसा से जुड़े हैं। वहीं, आतंकियों से पूछताछ के लिए पंजाब पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीम भी पहुंची है। पुलिस ने वीडियो टीम और स्न्नरु टीम को मौके पर बुलाया। आतंकियों से एक देसी पिस्तौल, 31 कारतूस, 1.30 लाख रुपए के करीब कैश, 3 लोहे के कंटेनर बरामद हुए हैं। टीम ने इनका एक्सरे करवाया है, इसमें एक्सप्लोसिव की पुष्टि हुई है।

पाकिस्तान से भी संबंध आया सामने:- स्क्क गंगाराम पुनिया ने बताया कि चारों आरोपियों पाकिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के इशारे पर काम कर रहे थे। रिंदा ने ही इन्हें असलहा सप्लाई किया था और उसे आदिलाबाद (तेलंगाना) में पहुंचाने का काम सौंपा था। इसके बदले चारों को मोटी रकम मिलनी थी। इससे पहले भी आरोपी नांदेड़ के पास ऐसी कन्साइनमेंट पहुंचा चुके हैं। रिंदा इन्हें ड्रोन से सप्लाई करता था और मोबाइल ऐप से लोकेशन सेंड करता था। उसके बाद यह विस्फोटक को बताई हुई लोकेशन तक पहुंचाते थे।

देसी पिस्तौल, 31 कारतूस, 1.30 लाख रुपए के करीब कैश और 3 लोहे के कंटेनर में विस्फोटक बरामद

रिंदा ने ड्रोन से फिरोजपुर में सप्लाई किया विस्फोटक:- आतंकी रिंदा ने एक मोबाइल ऐप के जरिये गिरफ्तार युवकों को लोकेशन दी थी। उसके अनुसार इन्हें फिरोजपुर बुलाया था। फिरोजपुर में भारत-पाक सीमा के पास गिरफ्तार आरोपी गुरप्रीत के दोस्त आकाशदीप के ननिहाल के खेत हैं। उन्हीं खेतों में ड्रोन से विस्फोटक की सप्लाई की गई थी। चारों को वहां से एक्सप्लोसिव उठाकर तेलंगाना पहुंचना था।

राजवीर ने करवाई थी रिंदा से बात

एसपी गंगाराम पुनिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गुरप्रीत जेल जा चुका है। जेल में ही उसकी मुलाकात राजवीर नाम के शख्स से हुई। राजवीर की पाकिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा से पुरानी पहचान है। राजवीर ने ही गुरप्रीत की बात रिंदा से करवाई। वह करीब 9 महीने से संपर्क में थे।

मधुबन थाने ले गई करनाल पुलिस:- इंटेलिजेंस ब्यूरो को मिली सूचना के बाद करनाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने बसताड़ा टोल प्लाजा के पास नाका लगाया और इनोवा गाड़ी को चेकिंग के लिए रोका। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर गाड़ी की तलाशी ली और असलहा-बारूद बरामद किया। पुलिस चारों को मधुबन थाना लेकर गई है, जहां पर उनसे पूछताछ की जा रही है। चारों आरोपियों को मधुबन थाने में लाने के बाद मेन गेट बंद कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग की बैठक

पैनल ने अंतिम आदेश साइन किया, जम्मू में 6 और कश्मीर में एक सीट बढ़ाने का प्रस्ताव

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा क्षेत्रों को फिर से बनाने के लिए बनाए गए परिसीमन आयोग का कार्यकाल 6 मई को खत्म हो रहा है। आयोग के सदस्यों ने 5 मई को बैठक के बाद परिसीमन की फाइनल रिपोर्ट पर साइन किए। सरकार को रिपोर्ट सौंपने के बाद पैनल एक गजट अधिसूचना जारी करेगा। जिसमें निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या और उनके आकार का ब्योरा होगा।

कुल सात सीटें बढ़ेंगी:- गौरतलब है कि आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश में सीटों की संख्या 83 से बढ़ाकर 90 करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही पहली बार अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटों को रिजर्व करने कहा है। इनमें से 43 सीटें जम्मू और 47 सीटें कश्मीर में रहेंगी। इसके पहले 83 सीटों में 37 जम्मू और 46 कश्मीर में थीं। भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर राज्य से आर्टिकल 370 खत्म करने और जम्मू-कश्मीर राज्य पुनर्गठन के बाद परिसीमन आयोग गठित किया था। आयोग ने नए मसौदे में कश्मीर संभाग के बारामूला, कुपवाड़ा, श्रीनगर, कुलगाम और अनंतनाग जिलों में बदलाव किया है। कुपवाड़ा एकमात्र ऐसा जिला है, जिसमें विधानसभा क्षेत्र जोड़ा गया है।

ये हैं आयोग के सदस्य:- जस्टिस (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई के नेतृत्व में गठित इस पैनल में मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा और जम्मू-कश्मीर के राज्य चुनाव आयुक्त इसके पदेन सदस्य हैं। परिसीमन आयोग ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट सहयोगी सदस्यों को 4 फरवरी को सौंपी थी। फरवरी 2022 में आयोग को काम पूरा करने के लिए दो महीने का विस्तार दिया गया था। वरना आयोग की समय सीमा 6 मार्च को समाप्त हो गई थी।

अक्टूबर तक हो सकेंगे विधानसभा चुनाव

मई के पहले हफ्ते में परिसीमन आयोग के रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव अक्टूबर तक होने की संभावना बढ़ जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने भी फरवरी में एक इंटरव्यू में इसके संकेत दिए थे कि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया जल्द पूरी होने वाली है। इसके अगले छह से आठ महीने में विधानसभा के चुनाव होंगे।

2020 में इलाज की कमी से सबसे ज्यादा मौतें : 81.16 लाख लोगों की जान गई, इनमें से 45 फीसदी को इलाज ही नहीं मिला

नई दिल्ली

देश में 2020 में हुई कुल मौतों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रिपोर्ट जारी की है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (ष्टक्रस्) 2020 के नाम से जारी की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में देश में कुल 81.16 लाख लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 45 फीसदी लोगों को कोई मेडिकल ट्रीटमेंट नहीं मिला था। इलाज के अभाव में यह अब तक की सबसे अधिक मौतें हैं। साल 2019 में यह आंकड़ा देश भर में हुई मौतों का 34.5 फीसदी था। बता दें कि 2020 की शुरुआत में कोरोना की वजह से कई अस्पतालों के 80 से 100 फीसदी बेड्स

रिजर्व थे। इस वजह से नॉन-कोविड पेशेंट्स को इलाज ही नहीं मिल पाया। हालांकि, इन आंकड़ों में 2020 में अस्पतालों में होने वाली मौतों की संख्या में गिरावट देखने को मिली है। इन मौतों का आंकड़ा 32.1 फीसदी से घटकर 28 फीसदी हो गया। यह आंकड़ा अब तक की सबसे तेज गिरावट दर्शाता है। मेडिकल सुविधाओं के अभाव में और अस्पतालों में होने वाली मौतों के आंकड़े में यह अंतर नया नहीं है। पिछले 10 साल के अंदर मेडिकल सुविधाओं के अभाव में होने वाली मौतें का आंकड़ा तेजी से बढ़ा है। वहीं, मेडिकल संस्थानों में होने वाली मौतें तेजी से घटी हैं। साल 2011 में मेडिकल सुविधा के अभाव में केवल 10 फीसदी ही मौतें हुई थी। हालांकि, उस दौरान केवल 67 फीसदी मौतें ही दर्ज की जाती थीं। संस्थानों में होने वाली मौतें उस दौरान बढ़ीं, क्योंकि ये मौतें रजिस्टर की जाती थीं। जैसे-जैसे मौतें रजिस्टर होने लगीं वैसे ही मौतों का आंकड़ा बढ़ने लगा।

दो साल में यह अंतर न के बराबर

2017 और 2018 में मेडिकल सुविधाओं के अभाव में और मेडिकल फैसिलिटी में होने वाली मौतों का आंकड़ा लगभग बराबर था। ये आंकड़े देश भर में होने वाली कुल मौतों के एक तिहाई थे। बाकी के एक तिहाई मौतें किस वजह से हुई, इसकी जानकारी नहीं दर्ज हो पाई।

ऑस्ट्रेलिया में 21 मई को चुनाव : चीन और महंगाई का मुद्दा सबसे ऊपर, बेरोजगारी और ब्याज दर बढ़ने से भी लोग खफा

कैनबरा। दोनों बड़ी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही हैं। इस बार ऑस्ट्रेलियाई चुनावों में महंगाई और चीन सबसे बड़े मुद्दों के रूप में सामने आए हैं। खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान पर हैं। प्रॉपर्टी के दामों में लगभग 40 फीसदी तक का उछाल देखा गया है। लोगों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। पिछले दो साल के दौरान लोगों का वेतन 2 फीसदी की दर से बढ़ा है। पीएम स्कॉट सुरक्षा को मुद्दा बनाकर जन सभाओं में चीन के खिलाफ माहौल बना रहे हैं। मॉरिसन की लिबरल पार्टी का आरोप है कि मुख्य विपक्षी दल, लेबर पार्टी को चीन आर्थिक मदद दे रहा है। इस बार मॉरिसन को ज्यादा मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं। कोरोना के लंबे दौर से ऑस्ट्रेलिया में लाखों लोगों को रोजगार गंवाना पड़ा है। साथ ही सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में 3 मई को ही 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी की है। एक दशक से ज्यादा वक्त के बाद ब्याज दरें बढ़ी हैं। लोग इससे खफा हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर में सब्जीवाले की बेटी बनी जज : कभी फीस के पैसे नहीं थे, ठेले पर सब्जी बेची, रिजल्ट सुनकर मां के छलके आंसू

इंदौर। इंदौर में सब्जी बेचने वाले की बेटी सिविल जज बन गई है। बुधवार को 25 साल की अंकिता नागर ने ये खुशखबरी सबसे पहले अपनी मां को दी। मां ठेले पर सब्जी बेच रही थीं। अंकिता रिजल्ट का प्रिंटआउट लेकर मां के पास पहुंची और बोली- मम्मी मैं जज बन गई। अंकिता ने बताया कि रिजल्ट एक हफ्ते पहले ही जारी हो गया था, लेकिन परिवार में मौत हो जाने के कारण सभी इंदौर से बाहर थे। घर में गम का माहौल था। इसलिए किसी को इस बारे में बता नहीं पाई। अंकिता नागर ने सिविल जज एग्जाम में अपने स्ष्ट कोटे में 5वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि परिवार में सभी सदस्य सब्जी बेचने का काम करते हैं। पापा सुबह 5 बजे उठकर मंडी चले जाते हैं। मम्मी सुबह 8 बजे सभी के लिए खाना बनाकर पापा के सब्जी के ठेले पर चली जाती हैं, फिर दोनों सब्जी बेचते हैं। बड़ा भाई आकाश रेत मंडी में मजदूरी करता है। छोटी बहन की शादी हो चुकी है।

छोटे कमरे में रोज 8 घंटे की पढ़ाई:- अंकिता ने दैनिक भास्कर को बताया कि वो रोजाना 8 घंटे पढ़ाई को देती थीं। शाम को जब ठेले पर अधिक भीड़ हो जाती तो सब्जी बेचने चली जाती थीं। रात 10 बजे दुकान बंद कर घर आ जाते थे। फिर रात 11 बजे से पढ़ाई करने बैठ जातीं।

सबसे पहले मम्मी को दी खुशखबरी:- अंकिता ने बताया, मैं तीन साल से सिविल जज की तैयारी कर रही हूं। 2017 में इंदौर के वैष्णव कॉलेज से स्रुक्च किया। इसके बाद 2021 में स्रुरु की परीक्षा पास की। पिता उधार लेकर कॉलेज की फीस भरते थे। कॉलेज के बाद लगातार सिविल जज की तैयारी में जुटी रही। दो बार सिलेक्शन नहीं होने के बाद भी माता-पिता हौसला दिलाते रहे। यही कारण है कि आज जैसे ही रिजल्ट मेरे हाथ लगा तो सबसे पहले खुशखबरी ठेले पर जाकर मम्मी को दी।

अब पीके का मिशन बिहार में बदलाव : प्रशांत किशोर बोले-

30 साल से लालू-नीतीश का राज, बदलाव के लिए 3 हजार किमी पदयात्रा करूंगा

नई दिल्ली

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और साफ संकेत दिए कि वे पॉलिटिक्स में एंट्री करेंगे। पीके ने कहा कि बिहार में बदलाव और नई सोच की जरूरत है। उन्होंने किसी पार्टी का ऐलान नहीं किया, लेकिन अपना प्लान बताया। कहा कि पिछले कुछ दिनों में समाज के हर तबके से बात हुई है। वह बिहार में नई सोच, बदलाव और सुराज का हिमायती है। पीके बोले कि वे अगले 3-4 महीनों में 3 हजार किलोमीटर पदयात्रा करेंगे। इसकी शुरुआत चंपारण से होगी। करीब 17 हजार लोगों से बात करेंगे। अगर ज्यादातर लोग सुराज और नई सोच के पक्ष में रहते हैं और किसी राजनीतिक पार्टी के ऐलान की जरूरत पड़ती है तो उसका ऐलान भी किया जाएगा। उन्होंने

कहा कि ये पार्टी प्रशांत किशोर की नहीं होगी।

लालू-नीतीश के राज में बिहार पिछड़ा:- प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार आज लालू और नीतीश के 30 साल के राज के बाद भी बिहार देश का सबसे पिछड़ा और सबसे गरीब राज्य है। इस सच्चाई को कोई झुठला नहीं सकता है। स्वास्थ्य, शिक्षा समेत कई मानकों पर बिहार आज भी देश के सबसे निचले पायदान पर है। बिहार अगर आने वाले समय में अग्रणी राज्यों की सूची में आना चाहता है तो इसके लिए नई सोच और नए प्रयास की जरूरत है।

बिहार गलत रास्ते पर है

प्रशांत किशोर ने कहा कि आने वाले 10 से 15 सालों में अगर बिहार में बदलाव लाना है तो जिन रास्तों पर बिहार चल रहा है उससे नहीं पहुंच सकते हैं। इसके लिए नई सोच और नई कोशिशों की जरूरत है। कोई भी व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि यह सोच और नई प्रयास की क्षमता किसी एक व्यक्ति के पास है। बिहार के हर नागरिक को आगे आने की जरूरत है तभी जाकर प्रदेश की स्थिति सुधरेगी।

मौसम पर एक्शन में केंद्र सरकार

पीएम मोदी हीटवेव और मानसून की तैयारियों पर बैठक करेंगे; ओडिशा में चक्रवात को लेकर हाई अलर्ट

ओडिशा

ओडिशा सरकार ने अगले चार दिनों में राज्य में चक्रवात को देखते हाई अलर्ट जारी किया है और सभी जिला कलेक्टरों को सतर्क रहने को कहा है। उधर तीन देशों की यात्रा से लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लू से निपटने के लिए तैयारियों और आगामी मानसून सीजन को लेकर गुरुवार को महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करेंगे।

ओडिशा में आने वाले तूफान का नाम असानी:- उधर, मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि चक्रवात की स्पष्ट तस्वीर अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, पांच मई तक सिस्टम डीप डिप्रेशन बन सकता है और छह मई को तूफान आने की संभावना है। श्रीलंका ने इस तूफान का नाम असानी रखा है। इसका अर्थ प्रकोप होता है। इसका असर पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मिजोरम, झारखंड, उत्तर पूर्व के राज्यों में देखने को मिल सकता है। बीते कुछ सालों से ओडिशा को चक्रवातों का सामना करना पड़ रहा है।

कई राज्यों को लू और गर्मी से मिलेगी राहत

भारतीय मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में दिल्ली, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और कर्नाटक सहित देश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की भविष्यवाणी की है। वहीं अगले 3 दिनों के दौरान दक्षिणी पश्चिम बंगाल के झारग्राम, पश्चिम और पुरबा मेदिनीपुर जिलों और दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरद्वार के सब हिमालयी जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

मप्र : 8 मई के बाद तापमान और बढ़ने की संभावना

मध्य प्रदेश में प्री मानसून बौछारों से अभी भले ही गर्मी से मामूली राहत मिल गई हो, लेकिन मई के दूसरे और तीसरे हफ्ते में नौतपा से पहले ही भीषण गर्मी शुरू हो जाएगी। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मई के 8 मई के बाद भोपाल समेत प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में पारा 44 से 46 डिग्री तक पहुंच सकता है

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज़ ब्रीफ

भारत-पाकिस्तान के बीच अब नई जंग : एशिया कप और वर्ल्ड कप में हो सकती है स्पीड स्टार उमरान और बाबर की टक्कर

नई दिल्ली। जब भी भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होती है, खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर बॉर्डर के दोनों तरफ निगाहें टिकी रहती हैं। इंडिया-पाकिस्तान के मैच से हर किसी के इमोशन जुड़े होते हैं। जीत के सिवाय दोनों देशों की पब्लिक अपनी टीम से कोई और उम्मीद नहीं रखती। आप बाद में भले वर्ल्ड कप हार जाओ, लेकिन पड़ोसी से हार स्वीकार नहीं होगी। पहले एशिया कप और फिर 23 अक्टूबर को टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक टकराने वाले हैं। ढ्ढक्करू में उमरान के दमदार प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि इन दोनों टूर्नामेंट में उन्हें टीम इंडिया में मौका मिल सकता है। सचिन तेंदुलकर के सामने शोएब अख्तर और विराट कोहली के सामने शाहीन अफरीदी को देखने के लिए इंतजार करती पब्लिक इस बार बाबर के सामने उमरान को देखने के लिए बेताब नजर आ रही है। अगर ऐसा होता है तो अब तक लगभग हर बार मुकाबला पाकिस्तानी पेस बनाम हिंदुस्तानी बल्लेबाजी के बीच देखा गया है, लेकिन इस बार हालात बदले हुए नजर आएंगे। जम्मू एक्सप्रेस उमरान मलिक 154/द्मद्बश्चद्ध की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं, तो वहीं बाबर आजम मौजूदा दौर में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बन चुके हैं। दोनों टूर्नामेंट में ये दोनों प्लेयर्स पहली बार आमने-सामने हो सकते हैं। जाहिर है कि इस मौके पर लोगों की धड़कनें भी तेज होंगी।

गति और टप्पा बनाते हैं उमरान को टीम इंडिया का नंबर वन बॉलर

उमरान लगातार 150/द्मद्बश्चद्ध से अधिक की रफ्तार के साथ लगभग हर गेंद कर रहे हैं। बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाज उनका सामना करने से घबरा रहे हैं। जॉनी बेयरस्टो जैसे इंग्लिश बैटर ने तो पिछले साल ही नेट पर उमरान से धीरे बॉलिंग करने की अपील की थी। यह बताने को काफी है कि जम्मू एक्सप्रेस का खौफ बल्लेबाजों में किस कदर फैल चुका है। शुरू-शुरू में पेस तो थी, लेकिन उमरान की गेंदों की लाइन लेंथ उतनी सटीक नहीं थी। नतीजा यह रहा कि बल्लेबाज आड़ा-तिरछा शॉट खेलकर के भी उनके खिलाफ रन बटोर रहे थे।

22 करोड़ पाकिस्तानियों की उम्मीद सिर्फ बाबर आजम से

शुरुआत में जब बाबर आजम की तुलना विराट कोहली, जो रूट और स्टीव स्मिथ जैसे बल्लेबाजों से की जाती थी तो लोगों को यकीन नहीं होता था। पाकिस्तान में क्रिकेट के हर फॉर्मेट में राज करने वाले बल्लेबाज बहुत कम हुए हैं। ऐसे में बाबर ने अपने बल्ले के जोर पर पुराना इतिहास बदल कर रख दिया और अब बदलाव की यही इबारत भारत के स्पीड स्टार उमरान मलिक लिख रहे हैं। जो रुतबा इंडिया में सचिन तेंदुलकर ने कमाया, वही शोहरत बाबर की पाकिस्तान में है। भारत में मैच देखने के लिए लोग इतना ही पूछा करते थे कि सचिन खेल रहा है ना...! अगर जवाब हां में आता था तो दुनिया के बाकी काम इंतजार कर सकते थे।

स्पिन के ख़िलाफ़ संघर्ष करते कोहली को देख बिशप ने जताई चिंता

नई दिल्ली

विराट कोहली को लगातार स्पिन गेंदबाज़ों के ख़िलाफ़ जूझता देख इयन बिशप ने चिंता व्यक्त की है। इस सीज़न विराट कोहली के बल्ले से सिर्फ़ एक अर्धशतक निकला है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी महज़ 111.09 का ही रहा है, जो कि इस सीज़न में कम से कम 150 रन बनाने वाले बल्लेबाज़ों में तीसरा सबसे कम है।10वें ओवर में मोईन अली की ऑफ़ ब्रेक पर लंबी ड्राइव लगाने गए कोहली 30 के निजी स्कोर पर बोल्ड हो गए। यह बिल्कुल पिछले साल चेन्नई टेस्ट के दौरान भी कोहली मोईन अली की गेंद पर कुछ इसी अंदाज़ में आउट हुए थे। कोहली ने बुधवार को कुल 16 डॉट गेंदें खेली। कोहली के पवेलियन लौटने के पिछले ओवर में ही उनके ग़लत अनुमान के चलते ग्लेन मैक्सवेल रन आउट हो गए। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अनकैप्ड खिलाड़ियों रजत पाटीदार और महिपाल लोमरोर की उपयोगी पारियों की बदौलत 173 का स्कोर बनाने में सफल हो गई। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो टाइम आउट पर इयन बिशप ने कहा, 10 से 15 गेंदों तक वह 100 के स्ट्राइक रेट या उससे भी नीचे थे। साफ़ तौर पर इंटेंट की कमी झलक रही थी। तेज़ गेंदबाज़ के ख़िलाफ़ एकस्ट्रा कवर के ऊपर से छक्का लगाने के बाद उनका स्ट्राइक रेट 100 के ऊपर आ गया, लेकिन इसके बाद एक बार फिर वह पीछे चले गए। बिशप ने आगे कहा, यह कुछ ऐसा है जो हम काफ़ी समय से विराट के साथ होता देख रहे हैं, यह सिर्फ़ इस सीज़न की ही बात नहीं है। पिछले सीज़न में भी बल्कि कभी-कभी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी। वह फ़िर धीमे पड़ जाएंगे, जिसकी मुझे काफ़ी चिंता है। रॉस्टन चेज़ ने फ़रवरी में घरेलू सीरीज़ में उन्हें आउट किया, हमने उन्हें टेस्ट मैचों में ऑफ़ स्पिनर्स की गेंदों पर आउट होते देखा है। इसलिए कोहली का मुरीद होने के नाते मुझे काफ़ी चिंता है। जब कोहली अपने सर्वश्रेष्ठ पर होते हैं, तब मैं क्रिकेट देखा हूं, लिहाज़ा यह

आलोचना नहीं है बल्कि अवलोकन है कि वह हर तरह के गेंदबाज़ की गेंदों पर आउट हो रहे हैं और वह उस तेज़ी के साथ खेल भी नहीं रहे हैं। कोहली की धीमी शुरुआत के बावजूद आरसीबी ने इस सीज़न में अपनी सबसे अच्छी शुरुआतों में से एक शुरुआत की। पावरप्ले में उन्होंने बिना किसी नुकसान पर 57 रन बना लिए थे। हालांकि वह इस सीज़न पावरप्ले के दौरान सबसे कम स्कोरिंग रेट (6.58) से रन बनाने वाली टीम थे। बिशप ने कहा, अगर आप हर गेंद में एक रन के स्ट्राइक रेट के हिसाब से बल्लेबाज़ी कर रहे हैं तो आपको पारी में काफ़ी डीप तक बल्लेबाज़ी करनी चाहिए और वह अपनी पारी को डीप भी नहीं ले जा पा रहे हैं। यह गेंदें आपके पास वापस भी नहीं आतीं। भले ही आरसीबी जीत गई, लेकिन स्कोर बोर्ड पर खड़ा गया उनका टोटल एक मैच विनिंग टोटल नहीं था। एक तरफ़ जहां बिशप ने कोहली द्वारा गेंदों को मिस किए जाने पर चिंता व्यक्त की तो वहीं डैनियल वेटोरी ने मोईन अली द्वारा टेस्ट मैच के अंदाज़ में आउट किए जाने की प्रशंसा की। वेटोरी ने कहा, हरभजन सिंह और अश्विन उन्हें तेज़ गेंदें फेंकने की कोशिश किया करते थे और वह उनकी गेंदों पर सिंगल निकालने की जद्दोजहद करते दिखाई देते थे। वह दोनों पर हावी होने का प्रयास नहीं करते थे, लेकिन मोईन ऑफ़ स्टंप के बाहर से गेंद को स्पिन करा रहे थे। मोईन और उनके गेंदबाज़ी के अंदाज़ को इसका बहुत बड़ा श्रेय जाता है, इस तरह की गेंदों पर उन्हें संघर्ष करते देखा गया है। यह बहुत अच्छी गेंदबाज़ी थी जिसे कोहली के सिर्फ़ सिंगल निकालने के प्रयास ने और भी मदद की। मोईन ने दिखाया कि मिड-सीज़न में चेन्नई ने क्या मिस किया है। उन्हें टखने में चोट लगने के बाद कुछ मुक़ाबलों में बाहर बैठना पड़ा। मोईन ने चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए। 14वें ओवर में कोटे का पूरे ओवर डालने के बाद तक आरसीबी अपनी पारी के पुनर्निमाण में लगी हुई थी।

रियल मैड्रिड 17 वीं बार यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में

सेमीफाइनल के दूसरे लेग में मैनचेस्टर सिटी को 3-1 से हराया

29 मई को लिवरपूल से मुकाबला

मैनचेस्टर

स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को 6-5 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे लेग में रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को एक्सट्रा टाइम में 3-1 से हराया। फाइनल में मैड्रिड का मुकाबला इंग्लिश क्लब लिवरपूल से होगा। यह खिताबी मुकाबला 29 मई को पेरिस के स्टेड डि फ्रांस स्टेडियम में खेला जाएगा। सेमीफाइनल के दूसरे लेग बुधवार को खेले गए मैच में रोड्रिगो ने दो और करीम बेंजेमा ने 1 गोल दाग कर टीम को 3-1 से जीत दिलाई।

रियल मैड्रिड ने आखिरी मिनट में 3 गोल दागे

पहले हाफ तक दोनों टीमों गोल नहीं कर सकीं। हाफ टाइम के बाद 73 वें मिनट में रियाद माहरेज ने गोल दागकर मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। ऐसा लग रहा था कि मैनचेस्ट को दूसरे लेग में जीत मिलेगी, पर आखिरी टाइम में रियल मैड्रिड ने 3 गोल दाग कर पूरा मैच ही पलट दिया। मैड्रिड के लिए पहला गोल 90वें मिनट में रोड्रिगो ने दागा। साथ ही टीम को पेनल्टी भी मिली। इस पेनल्टी को करीम बेंजेमा ने गोल कर टीम को 2-1 से बढ़त दिला कर बाजी मैड्रिड के पक्ष में कर दी। वहीं एक्सट्रा टाइम में रोड्रिगो ने अपना दूसरा गोल दागकर रियल को 3-1 से जीत दिलाई।

17 वीं बार रियल मैड्रिड पहुंची फाइनल में

रियल मैड्रिड 17वीं बार चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची है और अब तक 13 बार खिताब अपने नाम किया है, जबकि 4 बार उपविजेता रही है। वहीं लिवरपूल ने 7वीं बार खिताब जीतने के लिए फाइनल में मैड्रिड के साथ भिड़ेगी। लिवरपूल और बायर्न म्यूनिख ने 6-6 बार खिताब अपने नाम किया है।

मैनेजर कार्लो सबसे ज्यादा बार फाइनल खेलने वाले मैनेजर बनेंगे:- मैड्रिड के फाइनल में पहुंचने के साथ ही क्लब के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी भी इतिहास रचने के करीब पहुंच गए हैं। वह पहले मैनेजर होंगे, जो 5वीं बार चैंपियंस लीग के फाइनल खेलेंगे। उन्होंने मैनेजर रहते हुए रियल मैड्रिड को दूसरी बार फाइनल में पहुंचाया है। इससे पहले 2014 में यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके अलावा कार्लो ने तीन बार (2003, 2005, 2007) मैनेजर रहते हुए एसी मिलान को भी चैम्पियंस लीग के फाइनल में पहुंचाया था।

तेपे सिगेमन इंटरनेशनल शतरंज

भारत के अर्जुन नें स्पेन के शिरोव को दी मा

मालमो ,स्वीडन

तेपे सिगमन इंटरनेशनल शतरंज मे पहली बार खेल रहे भारत के युवा ग्रांड मास्टर 18 वर्षीय अर्जुन एरिगासी नें पहले ही दिन धमाके के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत की है , अर्जुन नें पहले राउंड मे स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी अलेक्सी शिरोव को पराजित करते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है । अर्जुन नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए सेमी स्लाव ओपनिंग मे 41 चालों मे शिरोव को हार मानने पर विवश कर दिया । इस जीत से अर्जुन नें अपनी लाइव रेटिंग को 2680 अंको पर पहुंचा दिया है और वह विश्व रैंकिंग में 58वें स्थान पर जा पहुंचे है । आठ खिलाड़ियों के बीच इस प्रतियोगिता में कुल राउंड रॉबिन आधार पर 7 राउंड खेले जाने है और अर्जुन को इसमें पाँचवीं वरीयता मिली है । पहले दिन अन्य परिणामों में यूएई के सलेम सालेह नें चेक गणराज्य के डेविड नवारा को पराजित किया जबकि इंग्लैंड के माइकल एडम्स नें यूएसए के नीमन हंस मोके से तो मेजबान स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस नें नीदरलैंड के वान फॉरेस्ट जोर्डन से बाजी ड्रॉ खेली । दूसरे राउंड में अर्जुन अब सफ़ेद मोहरो से सलेम सालेह से मुक़ाबला खेलेंगे ।

मैराडोना की जर्सी 67 करोड़ में नीलाम

स्पोर्ट्स में अब तक की सबसे बड़ी बोली, इसे पहनकर 1986 वर्ल्ड कप में दागा था हैंड ऑफ

नई दिल्ली

ुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी में शामिल डिएगो माराडोना की 1986 वर्ल्डकप में क्वार्टर फाइनल में पहनी गई जर्सी नीलामी में 67.58 करोड़ रुपये (7.1 मिलियन पाउंड) मिले हैं। अब वह नीलाम में अधिक रकम हासिल करने वाली चीज बन गई है।

इस मैच में माराडोना के साथ एक विवाद भी जुड़ा है और इसे %हैंड ऑफ गॉड गोल% के लिए भी जाना जाता है। दरअसल इस मैच में माराडोना के एक गोल को लेकर विवाद था। माराडोना हेडर से गोल करना चाहते थे, लेकिन गेंद कथित तौर पर उनके हाथ से टकराकर गोल पोस्ट में चली गई थी और मैच रेफरी इसे नहीं देख पाए और गोल को मान्यता दे दी। इस मैच में माराडोना ने इंग्लैंड की लगभग पूरी टीम को अपनी शानदार ड्रिबलिंग से छकाते हुए गोलकर टीम को यादगार जीत दिलाई थी। मेक्सिको सिटी में 22

आईपीएल 2022 के सबसे मजेदार आंकड़े : नंबर-1 टीम गुजरात ने लगाए सबसे कम छक्के, सिक्स लगाने के मामले में रोहित-कोहली की टीम टॉप 5 से बाहर

नई दिल्ली

टी-20 क्रिकेट को ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और लंबे-लंबे छक्कों के लिए जाना जाता है। आईपीएल 2022 में भी खूब छक्के लग रहे हैं, लेकिन हैरानी की बात ये है कि इस सीजन में पॉइंटस टेबल में नंबर-1 टीम गुजरात ने सबसे कम सिक्स लगाए हैं। वहीं, पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस इस मामले में सातवें और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु छठे स्थान पर आती है।

गुजरात टाइटन्स

आईपीएल 2022 में पॉइंटस टेबल में नंबर 1 टीम गुजरात ने इस सीजन में सबसे कम छक्के लगाए हैं। गुजरात के बल्लेबाजों के बल्ले से इस सीजन में सिर्फ 51 छक्के निकले हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद

इस सीजन में शुरुआती मैच हारने के बाद हैदराबाद कमाल की फॉर्म में वापस आई है। 9 मैचों में टीम को 5 में जीत और 4 मुकाबलों में हार मिली है। वहीं, टीम ने इस सीजन में 62 छक्के लगाए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स

ऋषभ पंत की टीम ने अभी तक इस सीजन में 9 मैच खेले हैं। 5 में टीम को जीत मिली है। वहीं, 4 मुकाबले टीम ने हारे हैं। इस सीजन में टीम के बल्लेबाजों ने 64 छक्के लगाए हैं।

मुंबई इंडियंस

5 बार की चैंपियन टीम मुंबई का प्रदर्शन इस सीजन में बहुत ही खराब रहा है। अब तक खेले 9 मुकाबलों में टीम को 8 मैचों में हार मिली है। वहीं, टीम के खिलाड़ियों के बल्ले से 65 छक्के निकले हैं। टीम के लिए सबसे ज्यादा सिक्स सूर्यकुमार यादव ने लगाए हैं। उनके बल्ले से 7 मैच में 15 छक्के निकले हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

ऋष्टक्क ने इस सीजन में 67 छक्के लगाए हैं। 11 मैच खेल चुकी इस टीम को 6 में जीत तो वहीं, 5 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

लखनऊ सुपर जायंट्स

आईपीएल में लखनऊ इस सीजन में पहली बार खेल रही है और इस टीम ने कमाल का खेल दिखाया है। अब तक खेले 10 मैचों में टीम को 7 में जीत मिली है। टीम के बल्लेबाजों ने इस सीजन में 68 छक्के लगाए हैं। कप्तान केएल राहुल ने लखनऊ की ओर से खेलते हुए इस सीजन में 10 मैच में 20 छक्के लगाए हैं। वह सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में 5वें स्थान पर हैं।

.कोलकाता नाइट राइडर्स

च्यद्गक्र ने आईपीएल 2022 में 73 छक्के लगाए हैं। वो इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में चौथे नंबर पर है। टीम के लिए आंद्रे रसेल ने सबसे ज्यादा 22 छक्के जड़े हैं। वहीं, नीतीश राणा के बल्ले से 10 मैचों में 15 छक्के निकले हैं।

पंजाब किंग्स

मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली पंजाब की टीम ने इस सीजन में 10 मैच खेले हैं। 5 मैच में टीम को जीत वहीं, इतने ही मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन छक्के लगाने के मामले में ये टीम बहुत आगे है।

चेन्नई सुपर किंग्स

आईपीएल 2022 में चेन्नई की टीम के लिए बहुत उतार-चढ़ाव वाला रहा है। टीम के कप्तान रवींद्र जडेजा ने अचानक ही कप्तानी छोड़ दी। उनकी जगह एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी कप्तान बने। चेन्नई ने इस सीजन में अब तक 81 छक्के लगाए हैं।

राजस्थान रॉयल्स

राजस्थान रॉयल्स इस सीजन में कमाल के फॉर्म में है। अब तक खेले गए 10 मैचों में टीम को 6 में जीत मिली है। वहीं, 4 मुकाबले टीम ने हारे हैं।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई के कदम से लुढ़के सूचकांक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रीपो दरों में आज अचानक 40 अंक की बढ़ोतरी कर दी तो सदमे में बेंचमार्क सूचकांक दो महीने की सबसे बड़ी गिरावट के शिकार हो गए। आरबीआई के इस कदम का झटका वित्तीय क्षेत्र के बड़े शेयर झेल नहीं पाए और अपने साथ सेंसेक्स को भी नीचे खींच ले गए। फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति भी घोषित होने वाली है, जिसकी चिंता में निवेशक और घबरा गए। बेंचमार्क सेंसेक्स आज 1,307 अंक या 2.3 फीसदी गिरकर 55,669 पर बंद हुआ। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 391 अंक या 2.3 फीसदी लुढ़ककर 16,677 पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में इस साल 7 मार्च के बाद से यह दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। अवेंडस कैपिटल अल्टरनेट स्ट्रैटजीज के सीईओ एंड्रयू हॉलैंड ने कहा, %रीपो में 40 आधार अंक की बढ़ोतरी ने नहीं बल्कि उसके साथ सीआरआर में 50 आधार अंक की बढ़ोतरी ने चौंकाया है। मुझे नहीं लगता कि बाजारों को इसका अंदाजा था। हर कोई सीआरआर नहीं बल्कि रीपो दर में बढ़ोतरी का अनुमान जता रहा था। इससे तरलता में कमी आएगी। भारतीय बाजार में घबराहट रही क्योंकि निवेशक अभी तक खुद को फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति के फैसलों के लिए तैयार कर रहे थे। आरबीआई के इस कदम के बारे में किसी ने सोचा ही नहीं था। अमेरिकी केंद्रीय बैंक दरें 50 आधार अंक बढ़ाने और अपनी बैलेंस शीट घटाने से संबंधित योजना का खुलासा कर सकता है। विश्लेषकों ने कहा कि दरों में बढ़ोतरी के अलावा फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोमी पॉवेल की घोषणाओं पर भी कड़ी नजर रहेगी। इससे ही पता चल पाएगा कि अचंभित करने वाली घोषणाओं से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की चिंता तो पैदा नहीं हो जाएगी।

वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स का आईपीओ 11 मई को खुलेगा

नई दिल्ली। वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 11 मई को खुलेगा। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (आरएचपी) के मुताबिक आईपीओ के तहत कंपनी के 50.74 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। निर्गम 11 मई को खुलकर 13 मई को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 मई को खुलेगी। निर्गम से होने वाली आय का उपयोग क्षमता विस्तार, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के 'वीनस' ब्रांड के उत्पादों की आपूर्ति रसायन, इंजीनियरिंग, उर्वरक, दवा, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, कागज और तेल एवं गैस जैसे विविध क्षेत्रों में की जाती है। कंपनी स्टेनलेस स्टील के पाइप और ट्यूब की विनिर्माता एवं निर्यातक है।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। यह लगातार नौंवा महीना है जब सेवा क्षेत्र में उत्पादन में विस्तार देखा गया है। 'परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स' (पीएमआई) 50 से ऊपर गतिविधियों में तेजी को सूचित करता है जबकि 50 से नीचे गिरावट को बताता है। एसऐंडपी ग्लोबल की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पॉलिएना डि लीमा ने कहा, ''सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई आंकड़े ज्यादातर उत्साजनक हैं, वहीं मांग बढ़ने से नए कारोबारी प्रवाह और उत्पादन को मजबूती मिली।''

लू का असर : गेहूं का प्रोडक्शन 5.7 फीसदी कम होगा, सरकारी खरीद आधी रहने के आसार

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गेहूं प्रोडक्शन का अनुमान 5.7 फीसदी घटा दिया है। पहले 2021-22 फसल वर्ष में 11.13 करोड़ टन प्रोडक्शन का अंदाजा था, लेकिन समय से पहले तेज गर्मी के कारण फसल पर हुए असर से अब करीब 10.50 करोड़ टन ही प्रोडक्शन का अनुमान है। पिछले फसल वर्ष में 10.95 करोड़ टन गेहूं प्रोडक्शन हुआ था। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा, फिलहाल गेहूं निर्यात पर नियंत्रण की कोई स्थिति नहीं है।

इस सीजन 4.44 करोड़ टन खरीदी का टारगेट

इसके साथ ही 2022-23 में सरकारी गेहूं खरीदी 1.95 करोड़ टन तक हो सकती है जो

कि पिछले साल से आधी से ज्यादा कम है। अब तक 1.75 करोड़ टन तक खरीदी हो चुकी है। सरकार ने इस सीजन के लिए 4.44 करोड़ टन खरीदी का टारगेट रखा था। लेकिन सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्न की मांग पूरी करने में किसी तरह की कमी नहीं होगी।

राज्यों को गेहूं की जगह 55 लाख टन एक्स्ट्रा चावल मिला

सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत वितरित किए जाने वाले राशन के लिए राज्यों को गेहूं की जगह 55 लाख टन अतिरिक्त चावल आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि यह खरीदी कम होने के कारण नहीं बल्कि राज्यों की मांग और फोर्टिफाइड चावल की डिलीवरी बढ़ाने के प्रयासों के तहत किया गया है। इससे 4800 करोड़ रुपए का सब्सिडी का अतिरिक्त भार आएगा। योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। इसके लिए सरकार के पास 3.50 करोड़ टन से ज्यादा स्टॉक है। मिस्र, तुर्की और कुछ यूरोपीय देशों के बाजार भारत के गेहूं के लिए भी खुल रहे हैं।

सरकारी खरीद का अनुमान क्यों घटा

खुले बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा कीमतें मिलने से किसान सरकारी खरीद केंद्र की जगह खुले बाजार में अपनी उपज बेच रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण बने खाद्यान्न संकट के कारण गेहूं की मांग और कीमत आगे और बढ़ने का अनुमान है। ऐसे में किसान और व्यापारी स्टॉक कर रहे हैं।

समय पूर्व तेज गर्मी कारण कुछ हिस्सों में प्रोडक्शन प्रभावित हुआ है। इससे कुछ राज्यों में उपज प्रभावित हुई है।

क्रूड अभी 105 डॉलर से ऊपर

रूस से 70 डॉलर प्रति बैरल से भी कम पर क्रूड लेना चाहता है भारत

नई दिल्ली

यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका द्वारा लगाई गई पाबंदियों के कारण कई देश रूस से क्रूड खरीदने से बच रहे हैं, वहीं भारत की कोशिश है कि रूस से सस्ते दामों में ज्यादा से ज्यादा खरीदारी की जाए। ओपेक और अन्य तेल उत्पादकों से कच्चा तेल खरीदने में हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए भारत रूस से भारी छूट लेने की फिराक में है।

विदेशी मुद्रा बचाने का यह अच्छा मौका

वैश्विक स्तर पर क्रूड के दाम इस समय लगभग 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं, लेकिन भारत चाहता है कि रूस 70 डॉलर प्रति बैरल से कम दर पर क्रूड की सप्लाई करे। जरूरत का 85 फीसदी से भी अधिक कच्चा तेल आयात करने वाले भारत के लिए विदेशी मुद्रा बचाने का यह अच्छा मौका है। फरवरी के बाद से भारतीय कंपनियों ने रूस से 4 करोड़ बैरल से अधिक क्रूड खरीदा है। यह 2021 की तुलना में 20 फीसदी अधिक है।

भारत महीने खरीद सकता है 1.5 करोड़ बैरल तेल खरीद

रूसी सरकार के लिए भी कच्चा तेल आमदनी का बड़ा जरिया है। यदि रूस भारत के मांगे रेट पर तेल की डिलीवरी करने को राजी हो जाता है तो भारतीय तेल कंपनियां महीने के 1.5 करोड़ बैरल तेल खरीद सकती हैं जो कि कुल आयात का दसवां हिस्सा है। भारत और रूस कच्चा तेल डिलीवर करने के छोटे और आसान रास्ते की तलाश कर रहे हैं।

ओपेक कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने में विफल

महामारी के बाद से सप्लाई बहाली के लिए संघर्ष कर रहे तेल उत्पादक देश अप्रैल में भी उत्पादन बढ़ाने में विफल रहे हैं। हालांकि इराक में क्रूड उत्पादन बढ़ा है, लेकिन लीबिया और नाइजीरिया जैसे देशों में उत्पादन घटा है। ओपेक लीडर सउदी अरब ने भी अपने कोटे के मुताबिक तेल उत्पादन में बढ़ोतरी नहीं की है। उत्पादन घटने और डिमांड बढ़ने से कच्चे तेल के दाम 105 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं।

रीपो दर में वृद्धि, महंगा होगा कर्ज

Governor, Reserve Bank of India

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंता के मद्देनजर आज मौद्रिक नीति समिति की तय बैठक के बिना अचानक रीपो दर में 40 आधार अंक की बढ़ोतरी कर दी। केंद्रीय बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) भी 50 आधार अंक बढ़ाकर 4.5 फीसदी कर दिया। इससे बैंकिंग तंत्र से करीब 87,000 करोड़ रुपये निकल जाएंगे। रीपो दर बढने से वाणिज्यिक बैंक भी उधारी दरों में 40 आधार अंक का इजाफा कर सकते हैं। रीपो दर में अचानक वृद्धि से बॉन्ड बाजार भी हैरत में पड़ गया और 10 वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल 26 आधार अंक चढ़ गया। बाजार को अंदेशा है कि जून की मौद्रिक समिति की बैठक में भी रीपो दर बढ़ाने का निर्णय हो सकता है। रीपो दर में बढ़ोतरी से स्थायी जमा सुविधा दर अब 4.15 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा बैंक दर 4.65 फीसदी हो जाएगी। अगस्त, 2018 के बाद यह पहला मौका है जब नीतिगत दर बढ़ाई गई है। साथ ही यह पहला मामला है जब आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के लिए बिना तय कार्यक्रम के बैठक की। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मुद्रास्फीति खासकर खाद्य वस्तुओं की महंगाई को लेकर दबाव बना हुआ है।

ऊंची कीमतें लंबे समय तक बने रहने का जोखिम है। उन्होंने कहा, %भारतीय अर्थव्यवस्था की सतत और समावेशी वृद्धि के लिए मुद्रास्फीति को काबू में करना जरूरी है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ईंधन और खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी तथा महामारी से जुड़ी आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण मुद्रास्फीति लगातार तीसरे महीने आरबीआई के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है।

व्हीकल्स रिटेल सेल सालाना आधार पर 37 फीसदी बढ़ी, अप्रैल 2022 में कुल 16.27 लाख गाड़ियां बिकीं

नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (स्न्नष्ठ) के मुताबिक, अप्रैल में कुल व्हीकल्स रिटेल सेल्स में सालाना आधार पर 37 फीसदी की ग्रोथ हुई। अप्रैल 2022 में कुल व्हीकल्स रिटेल सेल्स 16.27 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल 2021 में 11.87 लाख थी। दूसरी ओर, टू-व्हीलर्स की बिक्री अप्रैल 2021 में बेचे गए 8.65 लाख व्हीकल्स से लगभग 38 फीसदी बढ़कर अप्रैल 2022 में 11.94 लाख व्हीकल्स की बिक्री रही। मार्केट हिस्सेदारी 34.38 फीसदी की तुलना में हीरो मोटोकॉर्प 4.10 लाख की बिक्री में एंट्री करके टू-व्हीलर्स सेल्स चार्ट में सबसे ऊपर है। यह अप्रैल 2021 में टू-व्हीलर में हुई 2.99 लाख यूनिट्स की बिक्री से भी ज्यादा है। आज सोना-चांदी के दाम में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में सोना 565 रुपए महंगा होकर 51,620 रुपए पर पहुंच गया है। अगर चांदी की बात करें तो ये 1,122 रुपए महंगी होकर 63,660 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। RBI के रेपो रेट बढ़ाने के बाद निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ICICI ने एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट में वृद्धि करने की घोषणा की है। ICICI बैंक ने एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट 40 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 8.10 फीसदी कर दिया है। बैंक ने कहा है कि रेपो रेट में बदलाव करने के साथ ही श्वक्चरु अब 8.10 फीसदी सालाना हो गया है। ICICI बैंक के EBL रेट में की गई इस वृद्धि के बाद उसके लोन महंगे हो जाएंगे। इसका मतलब यह भी है कि ICICI बैंक अब 8.10 फीसदी से कम ब्याज दर पर लोन नहीं देगा।

एलआईसी आईपीओ को पहले दिन 67 फीसदी बोलियां

मुंबई

बीमा दिग्गज भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को पहले दिन आज निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। पहले दिन 67 फीसदी बोलियां मिलीं, जिससे पॉलिसीधारकों, कर्मचारियों और खुदरा निवेशकों की दिलचस्पी का पता चलता है। कंपनी का निर्गम 9 मई को बंद होगा। पहले दिन पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित निर्गम के लिए करीब दोगुनी बोलियां आईं। इसी तरह कर्मचारियों की श्रेणी में 1.17 गुना और खुदरा निवेशक श्रेणी में 0.6 गुना बोलियां आईं। गैर-संस्थागत निवेशकों ने 0.27 गुना और पात्र संस्थागत खरीदारों ने 0.33 गुना बोलियां लगाईं। निर्गम में 16.20 करोड़ शेयरों की पेशकश की गई है, जिनमें से 10.86 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। खुदरा निवेशकों और एलआईसी कर्मचारियों को निर्गम मूल्य में 45 रुपये प्रति शेयर की छूट और पॉलिसीधारकों को 60 रुपये प्रति शेयर की छूट दी जा रही है। एलआईसी ने निर्गम का मूल्य दायरा 902 से 949 रुपये प्रति शेयर तय

किया है। सरकार एलआईसी के आईपीओ के जरिये बाजार से भारी मात्रा में पैसे जुटाने की संभावना देख रही है और एलआईसी का निर्गम सप्ताहांत पर भी खुला रहेगा। एलआईसी ने निर्गम से पहले सोमवार को एंकर निवेशकों से 5,627 करोड़ रुपये जुटाए थे। इनमें से 71 फीसदी रकम घरेलू म्युचुअल फंडों की ओर से आई। कुल मिलाकर एलआईसी ने 949 रुपये प्रति शेयर भाव पर 123 निवेशकों को करीब 5.93 करोड़ शेयर आवंटित किए, जिनमें से 4.21 करोड़ शेयर 15 घरेलू म्युचुअल फंडों को आवंटित किए गए। एसबीआई म्युचुअल फंड ने चार अलग-अलग योजनाओं के जरिये 1,000 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ ने दर्जन भर से अधिक योजनाओं के जरिये 700 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के शेयर खरीदे और एचडीएफसी एमएफ ने 10 अलग-अलग योजनाओं के तहत 650 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ और ऐक्सिस एमएफ ने भी एंकर निवेशक के तौर पर एलआईसी में निवेश किया है।

अंबुजा में एलआईसी के लिए मुनाफे का मौका

भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा का कोई नया मालिक अधिग्रहण करने जा रहा है। इससे भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को मुनाफे का मौका मिलने जा रहा है, जिसकी अंबुजा सीमेंट्स और उसकी सहायक एसीसी में 7,047 करोड़ रुपये मूल्य की अल्पांश हिस्सेदारी है। एलआईसी की अंबुजा सीमेंट्स में 6.3 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसका मूल्य 4,602 करोड़ रुपये है। देश की इस सबसे बड़ी बीमा कंपनी की एसीसी में 5.66 फीसदी है, जिसका मूल्य 2,445 करोड़ रुपये है। बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि जब अधिग्रहणकर्ता इन कंपनियों के लिए खुली पेशकश लाएगा, उस समय एलआईसी और अन्य हिस्सेदारों के पास भारी मुनाफा लेकर इन दोनों कंपनियों से बाहर निकलने का विकल्प होगा। पिछले सप्ताह अदाणी समूह और जेएसडब्ल्यू समूह ने अंबुजा सीमेंट्स के लिए उसकी स्विस मूल कंपनी होल्सिम को गैर-बाध्यकारी बोलियां सौंपी हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)